संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 228
पृष्ठ 8
शुक्रवार
08 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- शादी के बाद भी ग्लो करेगा...

विचार- क्या खास कारण हैं मिडल क्लास...

खेल- आईपीएल प्लेऑफ नहीं खेलेंगे...

देवबंद में मंच से गरजे मुख्यमंत्री योगी, कहा-

जनता विकास और सुशासन को प्राथमिकता देती है

देवबंद/सहारनपुर,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को सहारनपुर जिले के देवबंद पहुंचे, जहां उन्होंने हजारों करोड़ रुपये की लागत से तैयार और प्रस्तावित विभिन्न जनकल्याणकारी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कई विभागों की योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण–पत्र वितरित किए और जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं और उपलब्धियों को विस्तार से जनता के सामने रखा। मुख्यमंत्री ने देवबंद की पावन भूमि का स्मरण करते हुए मां शाकुंभरी सिद्धपीठ और माता त्रिपुरबाला कुंदरी के प्रति श्रद्धा व्यक्त की और सहारनपुर के सभी नागरिकों का अभिनंदन किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने बंगाल की जीत, कनेक्टिविटी और कानून व्यवस्था, दंगो और फतवों पर अपने विचार रखे। सहारनपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जिले के लिए बड़ी विकास सौगात की घोषणा

की। उन्होंने बताया कि सहारनपुर जिले में हजारों करोड़ रुपये की लागत से सैकड़ों विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन से जिले के विकास को नई गति मिलेगी और आम नागरिकों को सुविधाओं का लाभ सीधे मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण–पत्र भी वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लोगों तक पहुंचाया जा रहा है और पारदर्शिता के साथ उनका संचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रदेश सरकार कई योजनाएं संचालित कर रही है। इन योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के चुनाव परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जनता विकास और सुशासन को प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में तीसरी बार, उत्तराखंड में दूसरी बार और पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद उन लोगों को आईना दिखाने का काम हुआ है, जो समाज को बांटने की राजनीति करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि जनप्रतिनिधि जनता के बीच सक्रिय रहते हैं, सरकार जनभावनाओं का सम्मान करती है और योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाता है, तो जनता ऐसे शासन को दोबारा अवसर देती है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई सरकार जनता से किए गए वादों को पूरा नहीं करती और विश्वासघात करती है, तो जनता उसे सत्ता से हटाने में देर नहीं लगाती। चुनाव परिणामों ने इस बात का स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के पश्चिम बंगाल के कार्यकर्ताओं के साथ–साथ सहारनपुर के पार्टी कार्यकर्ताओं को भी हृदय से बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस जीत ने यह साबित कर दिया है कि यदि जनप्रतिनिधि जनता के बीच सक्रिय रहें, सरकार जनभावनाओं का सम्मान करे, सुशासन के लक्ष्य को पूरी प्रतिबद्धता के साथ लागू करे और बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाए, तो जनता ऐसी सरकार को फिर से सत्ता में लाने में देर नहीं करती। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरी ओर जो राजनीतिक दल देश के साथ, भारत की संस्कृति के साथ और राष्ट्रभावना के साथ धोखा करने का प्रयास करते हैं, जनता उन्हें सत्ता से बाहर करने में भी देर नहीं लगाती। हाल के चुनाव परिणाम इस बात का स्पष्ट संकेत हैं। उन्होंने कहा कि यह परिणाम उन लोगों के लिए भी संदेश है जो जाति के नाम पर समाज को बांटकर सामाजिक ताने–बाने को कमजोर करना चाहते थे और देश को कमजोर करने की कोशिश करते थे। चुनाव परिणाम ऐसे विभाजनकारी प्रयासों के खिलाफ एक आईने की तरह सामने आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब समाज विभाजित नहीं होगा, बल्कि विभाजनकारी ताकतों के मंसूबों को जनता अपने मतों की ताकत से पराजित करेगी और राष्ट्र की एकता व अखंडता को मजबूत बनाएगी। अपने संबोधन में उन्होंने सहारनपुर का जिक्र करते हुए कहा कि यह वही जनपद है, जहां वर्ष 2013 से 2016 के बीच कई बार दंगे हुए थे, लेकिन अब प्रदेश में कानून–व्यवस्था मजबूत हुई है और स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देवबंद में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कानून व्यवस्था, विकास कार्यों और प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि कोई व्यक्ति कानून व्यवस्था को चुनौती देने की कोशिश करेगा तो उसे उसके परिणामों का भी सामना करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह सीधे जनता के बीच इसलिए आए हैं ताकि लोगों को बता सकें कि प्रदेश में हो रहे विकास कार्य आने वाले समय में उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बनेंगे। उन्होंने कहा कि यही विकास प्रदेश और देश की प्रगति को आगे बढ़ाएगा और विकसित भारत तथा विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश आस्था और सांस्कृतिक विरासत के लिए भी विशेष पहचान रखता है।

ऑपरेशन सिंदूर बना सैन्य ताकत और आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक-राजनाथ सिंह

नई दिल्ली,एजेंसी। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, बलिदान और समर्पण को नमन किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान के दौरान सेना के जवानों ने जिस अद्वितीय सटीकता, बेहतरीन तालमेल और तीनों सेनाओं के बीच मजबूत समन्वय का प्रदर्शन किया, वह आधुनिक सैन्य अभियानों के लिए एक नया मानक बन गया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर राष्ट्रीय संकल्प, तैयारी और सैन्य क्षमता का शक्तिशाली प्रतीक है। यह अभियान दिखाता है कि भारतीय सशस्त्र बल हर चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में निर्णायक कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत के आत्मनिर्भरता अभियान की दिशा में लगातार बढ़ते कदमों का प्रमाण है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी क्षमता और तकनीक के बढ़ते उपयोग ने देश की सैन्य ताकत और लचीलापन दोनों को मजबूत किया है। रक्षा मंत्री ने इससे संबंधित 59 सेकंड का वीडियो भी शेयर किया है। इस वीडियो में उन्होंने चेतावनी दी है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जब भी कोई कार्रवाई करेगा तो आतंकवादियों और उनके आकाओं की सरहद पार की जमीन भी

सुरक्षित नहीं रहेगी। भारत की तरफ से पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को शुरू हुए आज एक साल हो गए हैं। 22 अप्रैल 2025 को जब पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी तो पाकिस्तान की इस नापाक साजिश और उसकी हरकतों को भारत ने यूं ही नजरअंदाज नहीं किया, बल्कि एक बार फिर पाकिस्तान में घुसकर कई आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। 7 मई की तड़के सुबह भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया। भारतीय बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मौजूद नौ आतंकी प्रशिक्षण शिविरों पर सटीक एयरस्ट्राइक की। इसमें कई आतंकी मारे गए और आतंकी ढांचों को तबाह कर दिया गया। भारत के इन हमलों में 100 से ज्यादा आतंकी भी मारे गए थे।

ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ प्रतिक्रिया- सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता: मोदी

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, सटीकता और दृढ़ संकल्प को सलाम किया। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि एक साल पहले भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अद्वितीय बहादुरी का परिचय देते हुए पहलगाम में निर्दोष भारतीयों पर हमला करने वालों को करारा जवाब दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की आतंकवाद के खिलाफ कठोर नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के अटूट संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इस अभियान ने भारतीय सेनाओं की पेशेवर क्षमता, तैयारी और आपसी समन्वय को दुनिया के सामने मजबूती से पेश किया। साथ ही यह भी दिखाया कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत के प्रयासों ने देश की सुरक्षा

को और मजबूत किया है। मोदी ने कहा कि एक साल बाद भी भारत आतंकवाद और उसे समर्थन देने वाले पूरे तंत्र को खत्म करने के अपने संकल्प पर पूरी मजबूती से कायम है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अवसर पर भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी और कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान भारत की सैन्य शक्ति का ऐतिहासिक प्रतीक बन गया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि ऑपरेशन सिंदूर हमेशा दुश्मनों को भारतीय सेना की अचूक मारक क्षमता की याद दिलाता रहेगा। अमित शाह ने कहा कि इतिहास इस दिन को भारतीय सेनाओं की सटीक स्ट्राइक क्षमता, खुफिया एजेंसियों की सूक्ष्म जानकारी और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के संयुक्त प्रदर्शन के रूप में याद रखेगा। उन्होंने कहा कि पहलगाम में भारतीय नागरिकों पर हमला करने वाले आतंकियों और उनके ठिकानों को सीमा पार जाकर नष्ट किया गया।

गृह मंत्री ने आतंकियों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे कहीं भी छिप जाएं, भारत की नजर और सेना की मारक शक्ति से बच नहीं सकते। उन्होंने कहा कि यह दिन दुश्मनों के लिए हमेशा एक कड़ा संदेश बना रहेगा। अमित शाह ने इस मौके पर भारतीय सशस्त्र बलों के अद्वितीय साहस और बलिदान को भी सलाम किया।

भारत की तरफ से पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को शुरू हुए आज एक साल हो गए हैं। 22 अप्रैल 2025 को जब पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी तो पाकिस्तान की इस नापाक साजिश और उसकी हरकतों को भारत ने यूं ही नजरअंदाज नहीं किया, बल्कि एक बार फिर पाकिस्तान में घुसकर कई आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। 7 मई की तड़के सुबह भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया। भारतीय बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मौजूद नौ आतंकी प्रशिक्षण शिविरों पर सटीक एयरस्ट्राइक की। इसमें कई आतंकी मारे गए और आतंकी ढांचों को तबाह कर दिया गया। भारत के इन हमलों में 100 से ज्यादा आतंकी भी मारे गए थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऑपरेशन की सफलता के बाद स्पष्ट किया था कि ऑपरेशन सिंदूर ने एक नया रक्षा सिद्धांत स्थापित किया है।

अश्वपरेशन सिंदूर:एयर मार्शल ने बताई 23 मिनट की कहानी

जंग में पाकिस्तान को कैसे धोया

नई दिल्ली,एजेंसी। आज भारत ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ बना रहा है। इस मौके पर डिप्टी चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की उस प्रतिक्रिया के रूप में वर्णित किया, जब उसकी शांति की प्रतिबद्धता को कमजोरी और संयम को निष्क्रियता समझा जाता है। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर एक प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, एयर मार्शल भारती ने कहा कि भारत ने हमेशा शजियो और जीने दोश के दर्शन का पालन किया है। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि जब भी इस भावना का उल्लंघन होता है, तो राष्ट्र निर्णायक और समझौताहीन कार्रवाई के साथ जवाब देता है। यह ऑपरेशन पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू किया गया था, जिसमें 26 निर्दोष नागरिक मारे गए थे। उन्होंने आगे बताया हमने 7 मई को

उनके 9 आतंकवादी कैंपों पर हमला किया और उन्हें पूरी तरह तबाह कर दिया। इसका सबूत सबके सामने है। हमने उनके 11 हवाई अड्डों पर हमला किया। हमने उनके 13 विमानों को नष्ट कर दिया, चाहे वे जमीन पर हों या हवा में। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान हमे कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचा पाए हैं। न तो कोई सैन्य ढांचा और न ही ज्यादातर नागरिक ढांचे. .. वे चाहे कुछ भी कहें, याद रखें कि किस्से–कहानियां और बयानबाजी आपको जीत नहीं दिलाते। उन्होंने कहा, उनकी सम्मान और पुरस्कारों की सूची, जो इंटरनेट पर जारी हुई थी, उससे हमें पता चला कि उनमें से कई पुरस्कार मरणोपरांत दिए गए थे। नियंत्रण रेखा पर हुई झड़पों में उन्हें जो नुकसान उठाना पड़ा, उसमें उन्होंने 100 से ज्यादा सैनिक खो दिए। आखिरकार, अगर पाकिस्तानी अपनी युद्ध लड़ने की क्षमता में उतना ही निवेश करते, जितना वे अपनी कहानी गढ़ने में करते हैं, तो मुझे लगता है कि वे कहीं ज्यादा बेहतर प्रदर्शन करते। इसी प्रेस वार्ता में अपनी बात रखते हुए वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद ने कहा ऑपरेशन सिंदूर ने हमारे राष्ट्रीय नेतृत्व की रणनीतिक सोच को रेखांकित किया।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बोले-

एक प्लेटफार्म बनाएंगे, जो पौध से लेकर फल तक का

लखनऊ,संवाददाता। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए विकसित खेती अपनानी होगी। उन्होंने बागवानी को बढ़ावा देने, फसल संरक्षण और निर्यात वृद्धि पर जोर देते हुए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।मंत्री ने कहा कि जल्द ही एक एकीकृत प्लेटफार्म बनाया जाएगा, जो पौध से लेकर फल तक का पूरा प्रबंधन करेगा। फसल संरक्षण, गुणवत्ता सुधार और आम तोड़ने के बाद की सावधानियों पर किसानों को प्रशिक्षित करने के लिए विशेष टीम गठित की जाएगी। उन्होंने कहा, "कृषि मंत्री के रूप में किसानों की सेवा ही मेरी पूजा है। मैं खुद किसान हूं, इसलिए उनकी पीड़ा समझता हूं।"शिवराज सिंह चौहान ने गेहूं और धान के भंडारण की सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि अब किसानों को बागवानी से जोड़ना होगा। मलिहाबाद की आम की पट्टी को विश्व स्तर पर बनाए रखना है, जहां रूस के लोग इन आमों के दीवाने हैं। उत्तर प्रदेश की जलवायु फलों के लिए अनुकूल है। यहां 70 हजार अतिरिक्त बागवानी शुरू हो चुकी है। मंत्री ने घोषणा की कि यूपी में क्लीन प्लांट सेंटर खोले जाएंगे। इससे नर्सरी स्तर पर रोगमुक्त पौधे उपलब्ध होंगे। प्राइवेट क्षेत्र को भी सहायता दी जाएगी। उन्होंने आम, केले और अंगूर के निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य रखा। आम और केले के निर्यात में 5 प्रतिशत तथा अंगूर में 15 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य है। लीची में स्टीम बग की समस्या पर तुरंत टीम भेजी जाएगी।आम की शेल्फ लाइफ 25–30 दिनों तक बढ़ाने में सफलता मिली है।

कानून तभी सफल होगा, जब जनता सहयोग करेगी-भागवत

मैसूर,एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण की नीतियों और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने के लिए जनता का सहयोग और दीर्घकालिक विचार जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि जाति आधारित राजनीति तभी खत्म होगी, जब समाज खुद जातिगत पहचान से ऊपर उठेगा। आरएसएस प्रमुख ने मैसूरु में राष्ट्रीय विकास में सामाजिक समरसता की भूमिका विषय पर व्याख्यान के बाद आयोजित संवाद कार्यक्रम में कहा कि समाज में धर्मों और समुदायों के बीच सौहार्द होना चाहिए। उन्होंने लोगों से नारेबाजी के बजाय बराबरी का व्यवहार करने की अपील की। भागवत ने कहा, समाज जाति को याद रखता है, इसलिए राजनेता उसका फायदा उठाते हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल की दो टूक,बोले-

भारत आतंक से लड़ने को तैयार, नियंत्रण रेखा के पार कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं

जयपुर,एजेंसी। जयपुर में लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि भारतीय एजेंसियों ने नियंत्रण रेखा के पार मौजूद आतंकवादी लॉन्च पैड, आतंकी कैंप और आतंक से जुड़े ढांचों की पहचान कर ली है। उन्होंने कहा कि भारतीय खुफिया एजेंसियों के पास इन ठिकानों को लेकर सटीक और विस्तृत जानकारी रहती है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान अधिकृत जम्मू–कश्मीर सहित अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार कुछ ऐसे क्लस्टर मौजूद हैं, जिन्हें भारत आतंकवाद से जोड़कर देखता है। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि गोपनीयता के कारण वह इन स्थानों के नाम सार्वजनिक नहीं कर सकते, लेकिन भारतीय सेना इन गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले भी स्पष्ट किया था और एयर मार्शल भारती ने भी इसे दोहराया था कि नियंत्रण रेखा के पार कोई भी सुरक्षित ठिकाना नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत हर उस स्थान पर कार्रवाई करेगा, जहां से आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन मिलता है। उन्होंने कहा कि सेना गहराई तक जाकर कार्रवाई करने की क्षमता रखती है और यह बात अब नए सामान्य का हिस्सा बन चुकी है, जिसका उल्लेख प्रधानमंत्री ने पिछले वर्ष किया था। उन्होंने कहा कि कार्रवाई की परिस्थितियां, समय और तरीका भारत स्वयं तय करेगा। उनके अनुसार यही नया दृष्टिकोण है, जिसमें रणनीतिक फैसलों का नियंत्रण पूरी तरह भारत के हाथ में रहेगा। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि आतंकवादी कैंपों और लॉन्च पैड्स की संख्या और स्वरूप समय–समय पर बदलते रहते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ कैंप अब और अधिक अंदरूनी क्षेत्रों में स्थानांतरित किए गए हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि वहां वे ज्यादा सुरक्षित रहेंगे। हालांकि उन्होंने दोहराया कि नियंत्रण रेखा के पार कोई भी स्थान पूरी तरह सुरक्षित नहीं माना जा सकता। पाकिस्तान और चीन के संबंधों को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते कितने गहरे हैं, यह किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के लगभग 80 प्रतिशत सैन्य उपकरण चीन मूल के हैं और यह तथ्य सभी जानते हैं। उन्होंने कहा कि यदि भारत को पाकिस्तान, चीन या तुर्किये जैसे कई विरोधियों के साथ एक ही सीमा क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, तो सेना उस स्थिति के अनुसार तैयार रहती है।

पीजीटी परीक्षा से जुड़ी भ्रामक जानकारी फैलाने पर एफआईआर, आयोग की संस्तुति पर हुई कार्रवाई

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की पीजीटी परीक्षाओं से जुड़ी गलत और भ्रामक सूचना को सोशल मीडिया पर प्रसारित करने का मामला सामने आया है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की पीजीटी परीक्षाओं से जुड़ी गलत और भ्रामक सूचना को सोशल मीडिया पर प्रसारित करने का मामला सामने आया है। आयोग के उपसचिव ने फेसबुक पर गिरिजेश कुमार नाम के यूजर पर कर्नलगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

जानकारी के अनुसार, 29 अप्रैल को फेसबुक आईडी "गिरिजेश–कुमार–3998 से एक पोस्ट के माध्यम से पीजीटी–2022 परीक्षा की डेट शीट, संशोधित उत्तर कुंजी और 10 मई तक रिजल्ट जैसी भ्रामक जानकारी साझा की गई थी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार की आधिकारिक सूचना जारी नहीं की गई थी। आयोग का कहना है कि इस तरह की गलत सूचनाओं से अभ्यर्थियों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा होती है। परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता पर भी असर पड़ता है। इससे अभ्यर्थियों में असंतोष और भ्रम फैलने की आशंका रहती है। मामले को गंभीर मानते हुए आयोग ने पुलिस से संबंधित यूजर के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने की संस्तुति की। कर्नलगंज थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। वहीं, आयोग ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक वेबसाइट और अधिकृत स्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करें।

अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ अवमानना याचिका पर सुनवाई से अलग हुए

न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दाखिल अवमानना याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दाखिल अवमानना याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई दूसरी पीठ को सौंपने के लिए मामला मुख्य न्यायाधीश को संदर्भित कर दिया है। कोर्ट ने यह आदेश स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी की ओर से दाखिल अवमानना याचिका पर दिया है। आशुतोष ब्रह्मचारी ने पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज एफआईआर में मिली अग्रिम जमानत की शर्तों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। उन्होंने याचिका में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के अलावा प्रयागराज की मंडलायुक्त, पुलिस आयुक्त समस्त कई अन्य अधिकारियों को भी पक्षकार बनाया है।

फंदे से लटका मिला इलाहाबाद विवि के छात्र का शव, कलह के चलते आत्मघाती कदम उठाने की आशंका

प्रयागराज। कैंट इलाके के ऊंचवागढ़ी बेली में किराये के मकान में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र जितिन कुमार (20) का शव पंखे के सहारे चादर के फंदे से लटका मिला। घटनास्थल से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। कैंट इलाके के ऊंचवागढ़ी बेली में किराये के मकान में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र जितिन कुमार (20) का शव पंखे के सहारे चादर के फंदे से लटका मिला। घटनास्थल से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आशंका है कि कलह के चलते जितिन ने

आत्महत्या की है। कैंट थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मूलरूप से सीतापुर जिले के थाना हरगांव गांव मुस्तफाबाद के रहने वाला जितिन कुमार बुआ के बेटे शिवम और विनय के साथ ऊंचवागढ़ी में किराये के कमरे में रहता था। वह इविवि में बीए प्रथम वर्ष का छात्र था। पिछले कुछ दिन से बुआ के बेटे अपने मूल गांव गए थे। इस दौरान जितिन कमरे में अकेला रह रहा था। मंगलवार शाम पिता राम नरेश भार्गव ने बेटे के मोबाइल पर कई बार फोन किया, लेकिन मोबाइल नंबर बंद था। इसके बाद उन्होंने जॉर्ज टाउन में रहने वाले अपने भतीजे निर्मेश को बेटे के कमरे पर भेजा। रात करीब 10 बजे निर्मेश अपने दोस्त साहिल के साथ जितिन के घर पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद था। तेज आवाज लगाने पर भी अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इस पर खिड़की से झांककर देखा तो जितिन कमरे में पंखे के सहारे चादर के फंदे से लटका था। मामले की जानकारी घरवालों और पुलिस को दी गई। कैंट पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पिता राम नरेश के मुताबिक, जितिन से आखिरी बार मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे बात हुई थी। इस दौरान वह बिलकुल ठीक था। इसके बाद न जाने ऐसा क्या हुआ कि उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। बहरहाल, पुलिस ने जितिन का मोबाइल फोन कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। कैंट थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि मामले में सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

शादी का दबाव बनाने पर बॉय फ्रेंड ने की किशोरी की हत्या, शव को झाड़ियों में छिपाया

प्रयागराज। शादी का दबाव बनाने पर एक नाबालिग प्रेमी ने अपनी नाबालिग गर्लफ्रेंड की हत्या कर दी। फोन करके उसको रात में बुलाया और बाइक पर बैठाकर मऊआइमा इलाके के हरखपुर में नहर के किनारे ले गया। गले पर धारदार हथियार से हत्या करने के बाद शव को झाड़ियों में छिपा दिया। 15 दिन बाद शव को बरामद किया गया। आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है।

शादी का दबाव बनाने पर नाबालिग प्रेमी ने अपनी नाबालिग गर्ल फ्रेंड की हत्या कर दी। गले पर धारदार हथियार से हमला करने के बाद उसको मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद शव को मऊआइमा थाना क्षेत्र के हरखपुर स्थित शारदा सहायक नहर की झाड़ियों में छिपा दिया। 15 दिनों के बाद किशोरी की सड़ी गली लाश बरामद हुई है। पुलिस ने प्रेमी को हिरासत में ले लिया है।

मऊआइमा थाना क्षेत्र के हरखपुर स्थित शारदा सहायक नहर की झाड़ियों में एक किशोरी की सड़ी–गली लाश बरामद हुई है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने छानबीन शुरू कर दी है। किशोर की पहचान पुलिस ने कर ली है। वह 15 दिन पहले एक युवक के साथ घर से निकली थी। अपने साथ लाखों रुपये के गहने और नकदी भी लेकर आई थी। आरोपी के

खिलाफ मां ने प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी। उसी की निशानदेही पर पुलिस ने शव को बरामद किया है।

सरायइनायत थाना क्षेत्र के ग्राम जमुनीपुर निवासिनी एक 17 वर्षीय किशोरी 20 अप्रैल सुबह घर से लाखों रुपये का आभूषण और नकदी लेकर एक युवक के साथ भाग गई थी। इसमें एक महिला की साजिश का भी पता चला था। 21 अप्रैल को गायब किशोरी की माता ने सराय इनायत थाना में बहरिया थाना क्षेत्र के ग्राम जलालपुर निवासी असमित कुमार वर्मा पुत्र सुरेश कुमार वर्मा तथा किशोरी को बहला फुसलाकर का भगाने में सहयोग करने वाली महिला रिया पटेल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

आशंका जाहिर की थी कि उसकी बेटी से लाखों रुपये का जेवरात छीनकर अपहरणकर्ता उसकी हत्या कर सकते हैं। बताया गया है कि सरायइनायत पुलिस फोरेंसिक टीम ने बृहस्पतिवार को सुबह एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर मऊआइमा थाना लाई। जहां मऊआइमा पुलिस के सहयोग से ग्राम हरखपुर स्थित शारदा सहायक नहर की झाड़ी से संदिग्ध युवक की निशानदेही पर किशोरी की सड़ी गली लाश बरामद की गई। इस संबंध में एसीपी थरवई अरुण पाराशर ने बताया कि आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार है।

आरोपी की निशानदेही पर बरामद किया गया शव

डीसीपी कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि आरोपी ने स्वीकार किया है उसकी लड़की से काफी पहले से जान पहचान थी और बातचीत होती थी। लड़की हमेशा शादी का दबाव बनाती थी, लेकिन वह शादी नहीं करना चाहता था। जिससे परेशान होकर उसने लड़की को रास्ते से हटाने की योजना बनाई थी। 20 अप्रैल को लड़की को उसने फोन करके बुलाया। बाइक पर बैठाकर नहर के पास गया। यहां पर धारदार हथियार से गले पर वार करके हत्या कर दी और लाश को झाड़ियों में छिपा दिया।

आसमान में विनाशक की गर्जना, 800 किमी की रफ्तार से दुश्मनों के छूटेंगे छक्के

प्रयागराज। संगम नगरी में आयोजित नॉर्थ टेक सिंपोजियम में तकनीक और स्वदेशी ताकत का ऐसा संगम देखने को मिल रहा है, जिसने रक्षा विशेषज्ञों को भी हैरत में डाल दिया है। प्रदर्शनी में सबसे ज्यादा चर्चा उस विनाशक की हो रही है, जिसकी रफ्तार और सटीक मारक क्षमता भविष्य के युद्धों की परिभाषा बदलने का दम रखती है। नवी मुंबई की आरआरपी एस4ई

इनोवेशन लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया यह ड्रोन महज एक घंटे में 800 किलोमीटर की दूरी तय कर सकता है। अपनी इसी असाधारण गति और आधुनिक सर्विलांस प्रणाली के कारण यह विनाशक ड्रोन पूरी प्रदर्शनी में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

संगम नगरी में आयोजित नॉर्थ टेक सिंपोजियम में तकनीक और स्वदेशी ताकत का ऐसा संगम देखने को मिल रहा है, जिसने रक्षा विशेषज्ञों को भी हैरत में डाल दिया है। प्रदर्शनी में सबसे ज्यादा चर्चा उस

प्रदर्शनी में मौजूद कंपनी के विनय सिंह ने इस तकनीक की बारीकियों को साझा करते हुए बताया कि विनाशक को गहन शोध और भारतीय सेना की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। यह ड्रोन न केवल लंबी दूरी तय करने में सक्षम है, बल्कि दुर्गम इलाकों में छिपे दुश्मनों की टोह लेने और उनकी गतिविधियों पर पैनी नजर रखने में भी बेजोड़ है। उन्होंने संकेत दिए कि वह दिन अब दूर नहीं है जब यह स्वदेशी ड्रोन भारतीय सेना के बेड़े का औपचारिक हिस्सा बनेगा।

इस महत्वपूर्ण तकनीक को लेकर कंपनी और सेना के उच्च अधिकारियों के बीच सकारात्मक वार्ता भी शुरू हो चुकी है। खास बात यह है कि इस ड्रोन में माइक्रो टर्बाइन इंजन लगा हुआ है। इस वजह से यह काफी ऊंचाई तक उड़ सकता है। सिम्पोजियम में विनाशक के साथ–साथ कंपनी ने अपनी तकनीकी श्रेष्ठता का एक और नमूना पेश किया है।

इंजीनियरों के अनुसार, कंपनी ने एक ऐसा ड्रोन भी तैयार किया है जो 400 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से फर्राटा भर सकता है। दिलचस्प बात यह है कि सेना पहले से ही इस कंपनी द्वारा निर्मित उन्नत थर्मल कैमरों का उपयोग कर रही है, जो रात के अंधेरे और खराब मौसम में भी सटीक निगरानी सुनिश्चित करते हैं। विनाशक जैसे अत्याधुनिक उपकरणों का प्रदर्शन इस बात का प्रमाण है कि रक्षा क्षेत्र में भारत अब आत्मनिर्भरता की राह पर लंबी छलांग लगा रहा है।

बीमा कंपनी को प्रीमियम राशि ब्याज सहित लौटाना होगा, उपभोक्ता आयोग का फैसला

प्रयागराज। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने बीमा कंपनी को पॉलिसीधारक की ओर से जमा की गई पूरी प्रीमियम राशि ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया है। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने बीमा कंपनी को पॉलिसीधारक की ओर से जमा की गई पूरी प्रीमियम राशि ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया है। यह आदेश आयोग के अध्यक्ष मोहम्मद इब्राहीम और सदस्य सरला की पीठ ने संध्या देवी जायसवाल और उनके बेटे ऋषभ की ओर से दायर परिवाद पर दिया। प्रयागराज के रसूलपुर निवासी संध्या और ऋषभ ने याचिका में कहा कि उन्होंने

2014 में बीमा पॉलिसी ली थी। जिसमें उन्होंने 2017 तक 79,217 रुपये प्रीमियम के रूप में जमा किए। आरोप लगाया था कि 2020 में बकाया प्रीमियम जमा करने कंपनी के कार्यालय गए लेकिन लॉकडाउन का हवाला देते हुए कंपनी ने प्रीमियम लेने से इन्कार कर दिया और बाद में पॉलिसी बंद कर दी।

याचियों ने इसे सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार बताते हुए जमा धनराशि, ब्याज और क्षतिपूर्ति की मांग की। वहीं, बीमा कंपनी की ओर से दलील दी गई कि पॉलिसीधारक ने 2017 के बाद प्रीमियम जमा नहीं किया। जिससे पॉलिसी स्वतः निष्क्रिय हो गई। पॉलिसी को पुनर्जीवित कराने का अवसर उपलब्ध था लेकिन याची ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी नहीं की।

आयोग ने कंपनी को निर्देश दिया कि याची की ओर से पॉलिसी समर्पण की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दो माह में 79,217 रुपये की राशि आठ प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज सहित वापस करे। यह ब्याज परिवाद दाखिल करने की तिथि से भुगतान तक देय होगा। इसके अतिरिक्त आयोग ने मानसिक एवं आर्थिक क्षतिपूर्ति के रूप में 5,000 रुपये और वाद व्यय के रूप में 2,000 रुपये देने का आदेश दिया है।

रेलवे परिसर के बाहर मस्जिद को स्थानांतरित करने के लिए जमीन तलाशें

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रयागराज जंक्शन के गेट पर स्थित मस्जिद को स्थानांतरित करने के लिए याची को जमीन तलाशने के लिए कहा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रयागराज जंक्शन के गेट पर स्थित मस्जिद को स्थानांतरित करने के लिए याची को जमीन तलाशने के लिए कहा है। कोर्ट ने कहा कि याची रेलवे परिसर के बाहर आसपास की ऐसी किसी उपलब्ध जमीन की जानकारी जुटाए जिसे मस्जिद के पुनर्वास के लिए दान या उपयोग में लाया जा सके। यह आदेश न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने वक्फ मस्जिद रेलवे स्टेशन व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याची अधिवक्ता एसएफएच नकवी ने कोर्ट को बताया कि रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर ने 10 अप्रैल को नोटिस जारी कर विकास कार्यों के लिए मस्जिद को हटाने का निर्देश दिया है। मस्जिद 100 साल से भी अधिक समय से स्थापित है। रेलवे ने भी इसके अस्तित्व को स्वीकारा है। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद मामले के सौहार्दपूर्ण समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया।

मौत के पहले सौदा तय तो वारिस नहीं कर सकते रजिस्ट्री से इन्कार, बेटियों की अपील खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि विक्रय अनुबंध के बाद संपत्ति के मालिक की मौत हो जाए और खरीदार सौदे के मुताबिक रकम अदा करने को तैयार है तो मृतक के वारिस रजिस्ट्री करने से इन्कार नहीं कर सकते। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि विक्रय अनुबंध के बाद संपत्ति के मालिक की मौत हो जाए और खरीदार सौदे के मुताबिक रकम अदा करने को तैयार है तो मृतक के वारिस रजिस्ट्री करने से इन्कार नहीं कर सकते। उन्हें हर हाल में रजिस्ट्री करनी होगी। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति संदीप जैन की अदालत ने कानपुर निवासी मीमांसा नांगिया व अन्य की ओर से दाखिल अपील खारिज कर दी। साथ ही आदेश दिया है कि वे एक महीने के भीतर बकाया रकम लेकर खरीदार के पक्ष में विक्रय विलेख (रजिस्ट्री) निष्पादित करें। मामला कानपुर नगर के काकादेव स्थित एक बेशकीमती जमीन से जुड़ा है। जमीन के मालिक धर्म प्रकाश नांगिया ने 2012 में शिवानी हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड के साथ 5.25 करोड़ रुपये में संपत्ति का सौदा किया था। अस्पताल ने करीब 2.41 करोड़ रुपये का भुगतान भी कर दिया था। शेष राशि रजिस्ट्री के वक्त दी जानी

थी। इसी बीच 2015 में धर्म प्रकाश नांगिया का निधन हो गया। पिता की मौत के बाद उनकी बेटी मीमांसा नांगिया व अन्य बेटियों ने इस आधार पर रजिस्ट्री से इन्कार कर दिया कि सौदा कम कीमत पर हुआ था और खरीदार ने उनके पिता पर अनुचित दबाव बनाया था। बेटियों की ओर से रजिस्ट्री से इन्कार करने पर खरीदार ने सिविल कोर्ट में वाद दाखिल किया था। अदालत ने खरीदार के पक्ष में फैसला सुनाया तो बेटियों ने हाईकोर्ट का रुख किया। कहा कि खरीदार अस्पताल के मालिक उनके पारिवारिक डॉक्टर हैं। इसी अनुचित प्रभाव में उन्होंने उनके पिता से सस्ते में जमीन का सौदा कर लिया। यह भी दलील दी कि जमीन फ्रीहोल्ड भी नहीं कराई गई है। कोर्ट ने बेटियों की अपील खारिज करते हुए कहा कि केवल पारिवारिक डॉक्टर होना अनुचित प्रभाव का सबूत नहीं है। वह भी तब जब अस्पताल प्रशासन ने न केवल समय पर भुगतान किया, बल्कि शेष 2.84 करोड़ रुपये भी अदालत में जमा कर दिए। लिहाजा, अनुबंध की शर्तों को पूरा करना विक्रेता के वारिसों की कानूनी बाध्यता है।

विशिष्ट अनुपालन अधिनियम के तहत यदि खरीदार अपनी जिम्मेदारी निभाने को तैयार है तो विक्रेता के वारिस अनुबंध को ठंडे बस्ते में नहीं डाल सकते। विक्रेता की जिम्मेदारी थी कि वह जमीन फ्रीहोल्ड कराए। इसकी आड़ में वारिस खरीदार की रजिस्ट्री में रोड़ा नहीं खड़ा कर सकते। – हाईकोर्ट

सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अनदेखी पर हाईकोर्ट ने अधिकारियों से मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन न करने पर नाराजगी जताते हुए उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव (गृह) और लखनऊ पुलिस मुख्यालय के वित्त नियंत्रक से व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर जवाब तलब किया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन न करने पर नाराजगी जताते हुए उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव (गृह) और लखनऊ पुलिस मुख्यालय के वित्त नियंत्रक से व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर जवाब तलब किया है। कोर्ट ने पूछा है कि सेवानिवृत्ति के बाद अधिक वेतन भुगतान की वसूली पर रोक संबंधी सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने गिरधारी लाल की याचिका पर दिया है। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि मामले में लखनऊ पुलिस मुख्यालय के वित्त नियंत्रक की ओर से याची के सेवानिवृत्त होने के बाद अधिक वेतन जारी किए जाने का हवाला देते हुए इसकी वसूली कर ली गई। साथ ही उसके परिलाभों का भुगतान करने से इन्कार कर दिया गया। 24 जनवरी 2024 को दिए गए प्रत्यावेदन के साथ सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रति भी प्रस्तुत की गई थी। लेकिन, भुगतान से इन्कार करते समय उस पर विचार नहीं किया गया। कोर्ट ने कहा कि वित्त नियंत्रक का आदेश न केवल अवैध है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन भी है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुशील कुमार सिंघल प्रकरण में 16 जनवरी 2007 के शासनादेश के तहत सेवानिवृत्ति लाभों से अधिक वेतन की वसूली पर रोक लगा रखी है। इसके बावजूद रोजाना ऐसे मामले अदालत में आ रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि प्रशासनिक अधिकारी शीर्ष अदालत के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। मामले की अगली सुनवाई 25 मई को होगी।

कोडीनयुक्त कफ सिरप मामले में आरोपी की जमानत अर्जी खारिज, ट्रायल कोर्ट ने सुनाया फैसला

प्रयागराज। आरोप है स्वप्निल केसरी एक फार्मास्युटिकल फर्म के जरिये कोडीनयुक्त कफ सिरप को गैर–चिकित्सकीय उपयोग के लिए बेचता था। बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने दलील दी कि आरोपी निर्दोष है। जिला अदालत ने कोडीनयुक्त कफ सिरप मामले में आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी। यह आदेश अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट रजनीश कुमार मिश्र ने विशेष लोक अभियोजक श्री प्रकाश शुक्ला को सुनकर दिया। चंदौली के मुगलसराय क्षेत्र निवासी स्वप्निल केसरी के खिलाफ अतरसुइया थाने में औषधि निरीक्षक की तहरीर पर आपराधिक साजिश और एनडीपीएस एक्ट समेत गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज हुई है। आरोप है स्वप्निल केसरी एक फार्मास्युटिकल फर्म के जरिये कोडीनयुक्त कफ सिरप को गैर–चिकित्सकीय उपयोग के लिए बेचता था।

बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने दलील दी कि आरोपी निर्दोष है। एफआईआर में नामजद नहीं है। उसके कब्जे से कोई अवैध दवा बरामद नहीं हुई। वह फर्म से जुड़ा भी नहीं है। सह–अभियुक्तों के बयान के आधार पर ही उसका नाम जोड़ा गया है। शासकीय अधिवक्ता ने जमानत का विरोध करते हुए दलील कि आरोपी गंभीर अपराध में लिप्त है। जांच में सामने आया कि कोडीनयुक्त कफ सिरप की बड़े पैमाने पर अवैध खरीद–बिक्री हुई है। आरोपी के बैंक खातों में करोड़ों रुपये के लेन–देन के साक्ष्य मिले हैं। अदालत के समक्ष आरोपी के खिलाफ 13 आपराधिक मामलों का विवरण भी प्रस्तुत किया।

जबलपुर इकाई की मई माह की काव्य गोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

जबलपुर। शहर समता विचार जबलपुर इकाई की मई माह की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी सफलता पूर्वक संपन्न। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना, मुख्य अतिथि कामना कौस्तुभ, विशिष्ट अतिथि छाया त्रिवेदी, डा. राजलक्ष्मी शिवहरे अर्चना

मलैया सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति गायत्री चौबे द्वारा। काव्य गोष्ठी का संयोजन अनीता दुबे एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। मंगल भाव कृष्णा राजपूत द्वारा। अतिथियों का स्वागत सिद्धेश्वरी सराफ एवं छाया सक्सेना। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। आरती शर्मा, चंद्र प्रकाश वैश्य, राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव, रचना सक्सेना जबलपुर, रश्मि पांडे, मंजूषा, डॉ मुकुल तिवारी आरती श्रीवास्तव। धन्यवाद ज्ञापन अनीता दुबे ने किया।

श्री भयहरणनाथ महादेव और बकुलाही मैया का प्राचीन समृद्धशाली संक्षिप्त इतिहास–समाज शेखर

पांडव कालीन श्री काल भैरव का प्राचीन स्थल बाबा भयहरणनाथ धाम और बकुलाही मैया (नदी) उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में स्थित अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरें हैं। धाम इसी नदी के तट पर स्थित है, इनका संबंध महाभारत काल से लेकर वर्तमान के पर्यावरणीय संरक्षण प्रयासों तक गहरा है।

भयहरणनाथ धाम का प्राचीन इतिहास व महत्वपांडव युगीन संबंधः पौराणिक कथाओं के अनुसार, अज्ञातवास के दौरान पांडवों ने इस क्षेत्र (द्वैतवन) में शरण ली थी। माना जाता है कि भीम ने राक्षस बकासुर का वध करने के बाद अपने पापों के प्रायश्चित और आत्मविश्वास प्राप्ति के लिए यहाँ शिवलिंग की स्थापना की थी।नाम का अर्थःभय को हरने वाले देवता होने के कारण इन्हें श्भयहरणनाथश कहा जाता है। यह मंदिर कटरा गुलाब सिंह गांव में स्थित है और इसे पांडव कालीन पांच प्रमुख सिद्ध स्थानों में से एक माना जाता है।

धार्मिक जीवंतताः यह धाम लगभग 10 एकड़ में फैला है जहाँ मुख्य शिव मंदिर के अलावा हनुमान, राधा–कृष्ण और माँ संतोषी के भी मंदिर हैं।

बकुलाही नदी का इतिहासवेदों में उल्लेखः बकुलाही एक प्राचीन, वेद–वर्णित नदी है जिसका प्राचीन नाम बालकुनीश (बालकुनिनी) था, जिसका अर्थ श्वेत वाली नदीश है।

वाल्मीकि रामायणरू इस नदी का उल्लेख वाल्मीकि रामायण में भी मिलता है, जब भगवान राम के वनवास से लौटने की प्रतीक्षा में भरत व्याकुल थे।

भौगोलिक स्वरूपः इसकी टेढ़ी–मेढ़ी धारा (बगुले की तरह) के कारण लोकभाषा अवधी में इसे 'बकुलाही' कहा जाने लगा। यह रायबरेली की भरतपुर झील से निकलती है और प्रतापगढ़ के दक्षिणांचल को हरा–भरा करते हुए सई नदी में मिल जाती है। वर्तमान स्थिति (2025–2026)धार्मिक पर्यटन का विकासः उत्तर प्रदेश सरकार ने इस धाम को एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए लगभग 5 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत हेतु प्रस्तावित की गई है। वर्तमान में यहाँ श्रद्धालुओं के लिए मूलभूत सुविधाएं जैसे पर्यटक सुविधा केंद्र, पुस्तकालय, श्री श्री रवि शंकर ज्ञान मन्दिर अभिलेखागार, प्रशासनिक परिसर, विश्राम गृह (बारादरी) और सुगम मार्ग उपलब्ध हैं।

नदी पुनरोद्धारः बकुलाही नदी, जो पहले अतिक्रमण और गाद के कारण लुप्तप्राय हो गई थी, श्बकुलाही पुनरोद्धार अभियानश के जरिए फिर से जीवित हो उठी है। अब नदी में जल प्रवाह बेहतर हुआ है, जिससे आसपास के गांवों का जलस्तर भी सुधरा है।प्रशासनिक सतर्कताः हाल के समय में धाम की भूमि के सीमांकन और अवैध निर्माणों को हटाने के लिए स्थानीय प्रशासन और समितियों द्वारा सक्रिय प्रयास किए जा रहे हैं। धाम का प्रबन्धन भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान एवं सहयोग नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह प्रतापगढ़ तथा सुरक्षा पुलिस चौकी कटरा गुलाब सिंह व थाना– जेठवारा द्वारा होती है। आगामी 17 मई से 15 जून 2026 तक अधिक मास (मलमास) का आयोजन भव्यता से होगा, भागवत कथा सहित विविध धार्मिक आयोजन होंगे। जिसमे क्षेत्र, समाज के साथ साथ सभी संबंधित सरकारी विभाग व संस्थाएँ अपनी जिम्मेदारी निभायेंगी।

लाला की है मौज

(छप्पय)

महँगाई की बात न करना मेरे भाई।
पतली कर लो दाल नसीहत है यह आई।
चीनी से मधुमेह चलो अब इसको छोड़ो।
सब्जी से मुँह मोड़ दूध से नाता तोड़ो।
नदियाँ पानी माँगती लेकिन सब बेहोश हैं।
देख समय की चाल को आँसू भी खामोश है।।

महँगे हुए सामान रसोई चुप चुप रहती।
लाला की है मौज परेशाँ जनता दिखती।
घर–घर मिलती मुफ्त दुआओं का क्या कहना।
अद्भुत है माहौल भूख को सहते रहना।
सबके सब लाचार हैं, भूखे अरु बीमार हैं।
थाली हँसकर कह रही, महँगाई की मार है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

10 मई को भयहरणनाथ धाम में 'सीमांकन संकल्प दिवस'

समाधान तक 9वां सामाजिक सत्याग्रह रहेगा जारी –10 मई को भयहरणनाथ में महासत्याग्रहः द्वापर युग के देव भूमि को बचाने को पत्थर गड़ेगा

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन बाबा भयहरणनाथ धाम की देव भूमि को भू–माफियाओं से मुक्त कराने हेतु 10 मई 2026 रविवार को सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह प्रबन्ध संस्था द्वारा आयोजित होगा वहीं मांग व वायदे के मुताबिक राजस्व विभाग द्वारा पत्थर चिन्हांकन होगा। यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव व संयोजक समाज शेखर ने बताया कि बीते 15 मार्च से धाम की भूमि को खाली कराके विकसित करने हेतु सामाजिक

सत्याग्रह किया जा रहा है। वहीं कुछ लोग अभी भी निजी एकाधिकार हेतु असामाजिक व असंवैधानिक कार्य करने पर अमादा है। वहीं राजस्व विभाग ने सभी के सहयोग से धाम से जुड़ी भूमि गाटा 493 के 22 बीघा 9 विस्वा भूमि की यथा स्थित का सर्वे 3 मई को पूर्ण कर लिया है। सार्वजनिक रूप से तय हुआ था कि धाम की देव भूमि व सार्वजनिक भूमि के रूप में दर्ज सभी गाटो को पत्थर गाड़ कर चिन्हित कर दिया जाए तब उपस्थित राजस्व टीम ने 10 मई तक किये जाने का वायदा किया है। वहीं संयोजक समाज शेखर ने जिलाधिकारी महोदय को अभी तक की प्रगति से अवगत कराते हुए 10 मई को धाम की भूमि खाली करके पत्थर लगाकर स्थाई चिन्हांकन की माँग की है।

चकबंदी कार्यालय के सामने किसानों ने अधिकारियों के खिलाफ धरना दिया

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में चकबंदी कार्यालय के सामने करीबन 100 किसान पहुंच गए। ईंट जोड़कर चूल्हा बनाया, उसपर भगोना चढ़ा दिया। सबने मिलकर पूड़ी–सब्जी बनाई। उनका यह आक्रोश अधिकारियों के खिलाफ था। किसानों का कहना है कि जबतक उनकी जमीनों से माफिया नहीं हटेंगे, तब तक वह चकबंदी कार्यालय के सामने इसी तरह खाना– बनाते खाते रहेंगे।

उत्तर मध्य रेलवे

No. CC-6/E-Auction/Commercial Publicity/2024 Date: 05.05.2026

ई-नीलामी के लिए सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित ई-नीलामी बोलियां आमंत्रित की गयी है।

वाणिज्य विज्ञापन अनुभाग द्वारा आयोजित ई-नीलामी

क्रम. 1. ई-आक्शन कैटलाग संख्या: CNB-FoodVan-26
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय: 11.05.2026 at 10.00
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: प्रयागराज मंडल के अंतर्गत, कानपुर रेलवे स्टेशन के सिटी साइड (स्टेशन भवन के सामने) पर पाँच वर्षों की अवधि के लिए, फूड वैन (जो ग्राहकों को 24x7 सेवा प्रदान करेगी) का निर्माण, संचालन और रखरखाव। फूड वैन की संख्या/आकार का निर्णय सफल बोलीदाता द्वारा अनुबंध मिलने के बाद किया जाएगा; यह निर्णय व्यावहारिकता, यात्रियों की मांग और स्थल की उपयुक्तता पर आधारित होगा, और इसके लिए रेलवे प्रशासन (अर्थात Sr. DCM/PRYJ) की स्वीकृति आवश्यक होगी। यह कार्य, निर्धारित क्षेत्र का प्रभार लेने के बाद, बोलीदाता द्वारा अपने स्वयं के खर्च पर किया जाएगा।

क्रम. 2. ई-आक्शन कैटलाग संख्या: MSS-FV-ALJN-26
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय: 15.05.2026 at 12.00
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: प्रयागराज मंडल के अंतर्गत, अलीगढ़ स्टेशन पर पाँच वर्षों की अवधि के लिए एक फूड वैन (जो ग्राहकों को 24x7 सेवा प्रदान करेगी) के निर्माण, संचालन और रखरखाव का अनुबंध।

क्रम. 3. ई-आक्शन कैटलाग संख्या: MSS-CNB-NFR-26
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय: 16.05.2026 at 10.00
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे के कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन के पार्सल कार्यालय में, 03 वर्षों की अवधि के लिए (लाइसेंसधारी के खर्च पर) "दो-पहिया वाहन और पार्सल/सामान" की पैकिंग और सुविधा काउंटर स्थापित करने तथा उसके संचालन का अनुबंध। क्रम. 4. कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर 05 वर्षों की अवधि के लिए 'मोबाइल और एक्सेसरीज कियोस्क तथा अन्य उपयोगी वस्तुओं' (कुल 03 कियोस्क) की स्थापना, संचालन और प्रबंधन हेतु ई-नीलामी।

क्रम. 5. ई-आक्शन कैटलाग संख्या: MSS-EVCharging
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय: 18.05.2026 at 12.00
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: मानिकपुर रेलवे स्टेशन पर रेलवे की ज़मीन पर, पाँच (5) वर्षों की अवधि के लिए इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन की स्थापना, संचालन और रखरखाव हेतु ई-नीलामी; यह संलग्न, संयुक्त रूप से चिह्नित साइट प्लान और निर्धारित क्षेत्र के अनुसार होगी। क्रम. 6. चुनार रेलवे स्टेशन पर रेलवे की ज़मीन पर, पाँच (5) वर्षों की अवधि के लिए इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन की स्थापना, संचालन और रखरखाव हेतु ई-नीलामी; यह संलग्न, संयुक्त रूप से चिह्नित साइट प्लान और निर्धारित क्षेत्र के अनुसार होगी। क्रम. 7. नैनी रेलवे स्टेशन (जेल रोड, प्रयागराज छोर की ओर) पर रेलवे की ज़मीन पर, पांच (5) वर्षों की अवधि के लिए इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन की स्थापना, संचालन और रखरखाव हेतु ई-नीलामी; यह संलग्न, संयुक्त रूप से चिह्नित साइट प्लान और निर्धारित क्षेत्र के अनुसार होगी। क्रम. 8. मिर्ज़ापुर रेलवे स्टेशन (दूसरे प्रवेश द्वार की ओर) पर रेलवे की ज़मीन पर, पाँच (5) वर्षों की अवधि के लिए इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन की स्थापना, संचालन और रखरखाव हेतु ई-नीलामी; यह संलग्न, संयुक्त रूप से चिह्नित साइट प्लान और निर्धारित क्षेत्र के अनुसार होगी। क्रम. 9. प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन (RTO कार्यालय के निकट) पर रेलवे की ज़मीन पर, पाँच (5) वर्षों की अवधि के लिए इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन की स्थापना, संचालन और रखरखाव हेतु ई-नीलामी; यह संलग्न, संयुक्त रूप से चिह्नित साइट प्लान और निर्धारित क्षेत्र के अनुसार होगी।

क्रम. 10. ई-आक्शन कैटलाग संख्या: ADVT-ETW-BKB-FZ
ई-आक्शन प्रारंभ तिथि एवं समय: 19.05.2026 at 12.00
वाणिज्य विज्ञापन का विवरण: शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन पर 'आउट ऑफ़ होम' नीति के तहत होर्डिंग/यूनिपोल के माध्यम से व्यावसायिक प्रचार/विज्ञापन का अनुबंध। क्रम. 11. इटावा रेलवे स्टेशन पर 'आउट ऑफ़ होम' नीति के तहत LED स्क्रीन के माध्यम से व्यावसायिक प्रचार/विज्ञापन का अनुबंध। क्रम. 12. फ़िरोज़ाबाद रेलवे स्टेशन पर 'आउट ऑफ़ होम' नीति के तहत होर्डिंग/यूनिपोल के माध्यम से व्यावसायिक प्रचार/विज्ञापन का अनुबंध।

कैटरिंग

क्रम. 1. E-Auction catalogue No.: MSS-WVM-26-8
E-auction Start Date & Time: 12.05.2026 at 11.00 hrs.
Details of publicity: विभिन्न स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए जल वेंडिंग मशीनें: चुनार (05 स्थान), शिकोहाबाद (04 स्थान), एटा (02 स्थान), शंकरगढ़ (04 स्थान), फफूंद (04 स्थान), हमीरा (04 स्थान), भरवारी (04 स्थान), करछ़ (04 स्थान), मांडा रोड (02 स्थान), खागा (04 स्थान), सिराथू (04 स्थान), हाथरस (04 स्थान), भरवारी (04 स्थान), मेजा रोड (03 स्थान)।

क्रम. 2. E-Auction catalogue No.: MSS-WVM-26-9
E-auction Start Date & Time: 14.05.2026 at 11.00 hrs.
Details of publicity: विभिन्न स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए जल वेंडिंग मशीनें: फतेहपुर (07 स्थान), रूरा (04 स्थान), चौला (04 स्थान), अछल्दा (04 स्थान), दादरी (06 स्थान), मथुरा जंक्शन (04 स्थान), डांकौर (04 स्थान), फिरोजाबाद (04 स्थान), अटेसर सिटी (04 स्थान), सिकंदराराऊ रोड (04 स्थान), खुर्जा (05 स्थान), मैनपुरी (02 स्थान), भरथना (04 स्थान)

क्रम. 3. E-Auction catalogue No.: PRYJ-MPS-26-04
E-auction Start Date & Time: 14.05.2026 at 11.00 hrs.
Details of publicity: विभिन्न स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए बहुउद्देशीय स्टॉल: टूंडला (02 स्थान), फफूंद (01 स्थान), प्रयागराज (02 स्थान)

क्रम. 4. E-Auction catalogue No.: PRYJ-CATG-26-09
E-auction Start Date & Time: 14.05.2026 at 11.00 hrs.
Details of publicity: विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 05 वर्षों की अवधि के लिए कैटरिंग यूनिट्स: सोनभद्र (01 स्थान), हाथरस (01 स्थान), सिराथू (01 स्थान), मैनपुरी (01 स्थान), डांकौर (01 स्थान), एटा (01 स्थान), भरथना (01 स्थान), जसरा (01 स्थान), इरादतगंज (01 स्थान), सिराथू (01 स्थान), अछल्दा (01 स्थान), खागा (01 स्थान), फतेहपुर (01 स्थान)

क्रम. 5. E-Auction catalogue No.: PRYJ-CATG-26-10
E-auction Start Date & Time: 15.05.2026 at 11.00 hrs.
Details of publicity: 05 वर्षों की अवधि के लिए विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर खानपान इकाइयाँ: दादरी (02 स्थान), भरवारी (01 स्थान), शंकरगढ़ (01 स्थान), खुर्जा (01 स्थान), सोनभद्र (01 स्थान), सिराथू (01 स्थान), मैनपुरी (01 स्थान), खागा (01 स्थान), खुर्जा (01

नोट: इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए, ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं। 1007/26(DG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

डीपी में 'सिंदूर' और कवर पर 'ब्रह्मोस' से सीएम योगी ने दी 'दुश्मन' को चेतावनी

आतंक का जवाब दुश्मन के दरवाजे पर देगी मोदी सरकार–योगी

- सीएम ने बदली सोशल मीडिया डीपी, कवर फोटो में ब्रह्मोस मिसाइल दिखाकर दिया संकेत
- 7 मई 2025 को भारत ने तबाह किए थे पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकाने

लखनऊ (संवाददाता)। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर पूरा देश भारतीय सेना एवं सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और पराक्रम को नमन कर रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा भाजपा नेताओं ने सोशल मीडिया अकाउंट की प्रोफाइल तस्वीर बदलकर ऑपरेशन सिंदूर का लोगो लगाया है। सीएम योगी ने अपनी डीपी में 'सिंदूर' और कवर फोटो में 'ब्रह्मोस मिसाइल' को स्थान देकर दुश्मनों को मजबूत संदेश दिया है।7 मई 2025 की वह रात देश कभी नहीं भूल सकता, जब भारतीय थलसेना, वायुसेना और नौसेना ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान में मौजूद नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। यह कार्रवाई पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में की गई थी। उसी रात भारत सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ऑपरेशन सिंदूर की तस्वीर साझा करते हुए " जस्टिस इज सेवड़" लिखा था। पूरी दुनिया ने भारत की सैन्य क्षमता, आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई को देखाऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने भी अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल तस्वीर बदलकर ऑपरेशन सिंदूर के प्रति सम्मान प्रकट किया। देशभर में आम नागरिक भी इस अभियान से जुड़ी तस्वीरों और प्रतीकों को सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सोशल मीडिया अकाउंट पर डीपी में ऑपरेशन सिंदूर की तस्वीर के अलावा एक स्पष्ट रणनीतिक संदेश भी नजर आया। उनकी कवर फोटो में ब्रह्मोस मिसाइल को प्रमुखता से दिखाया गया, जिसे भारत की सबसे ताकतवर सुपरसोनिक मिसाइलों में गिना जाता है। इसे पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार की आतंकवाद के खिलाफ आक्रामक नीति के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है।पाकिस्तान के

आतंकी ठिकानों पर कहर बनकर टूटने वाली ब्रह्मोस मिसाइल का उत्तर प्रदेश से खास संबंध है। अब इसका उत्पादन लखनऊ में किया जा रहा है, जो राज्य के लिए गर्व का विषय है। उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के जरिए रक्षा उत्पादन क्षेत्र में तेजी से उभर रहा है। योगी सरकार लगातार यह संदेश देती रही है कि उत्तर प्रदेश अब सिर्फ कृषि और संस्कृति का प्रदेश नहीं, बल्कि रक्षा उत्पादन और आत्मनिर्भर भारत का भी बड़ा केंद्र बन रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कई मंचों से ब्रह्मोस मिसाइल और भारत की सैन्य ताकत का उल्लेख करते रहे हैं। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा था कि "ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य अभियान नहीं था, बल्कि यह भारत के उस संकल्प की घोषणा थी कि आतंक का जवाब अब कूटनीति की मेज पर नहीं, बल्कि दुश्मन के दरवाजे पर दिया जाएगा।" उनके इस बयान को पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की बदली रक्षा नीति और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के रूप में देखा जा रहा है।ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर बदली गई डीपी और कवर फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। समर्थक इसे राष्ट्रवाद और सैन्य सम्मान का प्रतीक बता रहे हैं, जबकि राजनीतिक गलियारों में भी योगी आदित्यनाथ के इस डिजिटल संदेश की चर्चा हो रही है।

उत्तर मध्य रेलवे

File No.: GeM/Bid/Sr. DEN/IV/2026-27 दिनांक: 04.05.2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 28.05.2026 को 11:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.:- 1, निविदा नं.:- GEM/2026/B/7491661, कार्य का विवरण: सेवाओं के लिए कस्टम बिड वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता चतुर्थ के सेक्शन में टूण्डला से (चिंपियाना बुजुर्ग को छोड़कर) हाथरस तक, सिविल इंजीनियरिंग कार्यों के रखरखाव के लिए 2 वर्षों तक वार्षिक सेवा प्रदान करने का कार्य।

अनुमानित मूल्य: ₹ 53,08,298.28 | बयाने की रकम: ₹ 1,06,200.00

क्र.सं.:- 2, निविदा नं.:- GEM/2026/B/7492442, कार्य का विवरण: सेवाओं के लिए कस्टम बिड वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता चतुर्थ के सेक्शन में सहायक मण्डल अभियन्ता/संपदा/टूण्डला के अधीन टूण्डला में टूण्डला कॉलोनी सर्विस बिल्डिंग, यमुना पाइप लाइन आदि के सिविल इंजीनियरिंग कार्यों के रखरखाव के लिए 02 वर्षों तक वार्षिक सेवा प्रदान करने का कार्य।

अनुमानित मूल्य: ₹ 75,89,325.72 | बयाने की रकम: ₹ 1,51,800.00

कार्य समापन की अवधि: क्र.सं. 1 एवं 2 के लिये:- 02 वर्ष।
निविदा खुलने की तिथि: क्र.सं. 1 एवं 2 के लिये:- 28.05.2026 at 11:30
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: क्र. सं. 1 एवं 2 के लिये:- सिविल इंजीनियरिंग का कोई कार्य।

(1) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित GeM पर निविदा खुलने की तिथि दिनांक 28.05.2026 समय 11:00 बजे तक उपलब्ध है। (2) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको GeM की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें (3) निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर प्रमाणपत्र जैसा निविदा पत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। (4) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये GeM की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (5) निविदादाता का जी.सी.सी. सर्विसेज 2018 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अन्यथा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 993/26 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

कोलकाता में ममता से मिले अखिलेश, बोले- भाजपा की आंखों में दीदी खटकती हैं, क्योंकि इनकी सोच सामंती

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कोलकाता में गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी से मुलाकात की। इस दौरान अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी से कहा कि दीदी आप हारे नहीं हैं। इस दौरान टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी भी वहां मौजूद थे, अभिषेक बनर्जी ने अखिलेश का गले मिल कर स्वागत किया। मीडिया से बातचीत में अखिलेश ने कहा, भाजपा की आंखों में दीदी खटकती हैं, क्योंकि वह आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं। भाजपा सामंती सोच की

है, इनके संगी साथी लोग पुरुषवादी लोग हैं। यह लोग नारी को बढ़ते हुए नहीं देखना चाहते हैं। अखिलेश यादव ने कहा, मैंने इस चुनाव को बहुत करीब से देखा। जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल हुआ और भाजपा का जो रवैया था, वो हैरान करने वाला है। भाजपा ने बंगाल में जो किया, यूपी में उससे कम किया था। बंगाल में उसका ट्रायल किया गया। भाजपा जिस तरह से काम करती है, उससे अराजकता फैलती है। चुनाव के बाद कहा गया कि सुरक्षाबलों की कई कंपनियां यहां रहेंगी। सिक्योरिटी संभालेंगी। अब वे कंपनियां कहां हैं? जब उत्तर प्रदेश में बाय इलेक्शन हुआ था तो फोर्सज को लगाकर लोगों का वोट रोका गया था। बंगाल में डेमोक्रेसी को डिस्ट्रॉय करने का रास्ता निकाला है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं0: पीआरवाइजे-सिग-008-2026-27 दिनांक: 05.05.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरि0 मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/ समo उत्तर मध्य रेल प्रयागराज, द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.सं.	निविदा नं.	कार्य का विवरण	
1	008	(A) प्रयागराज मंडल में सुबेदारगंज स्टेशन पर स्टेबलिंग लाइनों का प्रावधान एवं (B) सुबेदारगंज स्टेशन पर लाइन संख्या 2 एवं 3 को हटाकर एक नए आइलैंड प्लेटफार्म के निर्माण के साथ-साथ मौजूदा प्लेटफॉर्म संख्या 6 को यथावत रखने के संबंध में सिग्नल एवं दूरसंचार (S&T) कार्य।	
	अनुमानित मूल्य: 29235681.14		धरोहर राशि: 584700/-
	निविदा प्रपत्र का मूल्य: 0.00		कार्य समापन की अवधि: बारह माह
	निविदा खुलने की तिथि: 02.06.2026		
2	निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता	निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।	
3	धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप: निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह उ0प्र0 स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्यूरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेगी।		
4	निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थान	निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन कार्य दिवस पर खोली जायेगी।	
5	निविदा की वैधता	निविदा खुलने के 60 दिन तक	
6	निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार	रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।	

1005/26 (ADM)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या. 26/17 दिनांक : 05.05.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई)। निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
30261752	203.2 एम.एम. x 95.25 एम.एम बोगी माउंटेड एयर ब्रेक सिलिंडर	1460 नग	19.05.2026
30252878	फ्लेक्सी बॉल केबल लॉन्ग	80 नग	22.05.2026
30262604	बोगी बोल्स्टर अरेंजमेंट	64 नग	28.05.2026
30262601	हाई टेंसिल टाइट लॉक सेंटर बफर कपलर	775 नग	28.05.2026
30261468	[illegible]	7751 नग	02.06.2026
6326RGC06A	[illegible] 6400 [illegible] (1673 एमएम) [illegible] 60 [illegible] 260 [illegible] टी-6066.	250.00 Set	01-Jun-26
602550332	यूनिवर्सल फेटिंग टेस्टिंग मशीन	1 नग	26.05.2026
30261691	डिस्ट्रीब्यूटर वाल्व विद रिले वाल्व फॉर एयर ब्रेक सिस्टम	135 नग	28.05.2026
30261664	इंजेक्शन मोल्डेड थर्मोप्लास्टिक पॉलिएस्टर इलास्टोमर (हाइट्रेल) [illegible]	2125 नग	04.06.2026
30262521	बोगी सेंटर पिवोट बॉटम	5827 नग	25.05.2026
30262229	[illegible] अरेंजमेंट	422 नग	26.05.2026
20263114	सेट (मोटर सेट) ऑफ एम.पी./सी.पी. [illegible]	31 सेट	01.06.2026
20263659	सेट ऑफ शाफ्ट [illegible]	351 सेट	02.06.2026
20262646	[illegible] T.M. [illegible]	196 नग	08.06.2026
30261310	ब्रेक [illegible]	157247 नग	28.05.2026

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाइट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 1002/26 (C)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

सम्पादकीय.....

भगवा हुआ बंगाल

बंगाल में भाजपा का खेला काम कर गया। ऐसा भी नहीं है कि तीन बार से सत्ता पर काबिज बंगाल की शेरनी ममता से जनता का मोहभंग हाल–फिलहाल की घटना है। भाजपा ने दशकों से आक्रामक रणनीति से चुनावी तैयारी की है। केंद्र सरकार के तमाम संसाधनों का गाहे–बगाहे प्रयोग किया। बंगालियों को रास आने वाले तमाम विमर्श गढ़े और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिये लाखों मतदाताओं को बाहर का रास्ता दिखाया। मोदी–शाह की आक्रामक रणनीति के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यकर्ता स्तर पर गहन अभियान चले। फिलहाल, गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा का शासन हो गया है। गंगा के प्रवाह के साथ बहने वाले झारखंड को छोड़ दें तो बाकी राज्य भगवामय हैं। जहां बंगाल में पहली बार कमल खिला है, वहीं तमिलनाडु में थलापति के नाम से चर्चित सुपरस्टार विजय की दमदार एंट्री हुई है। उन्होंने भी परंपरागत राजनीतिक दलों की घोषणाओं से बढ़कर लोकलुभावने वायदे किए हैं। फलतरू दो ध्रुवीय द्रविड़ राजनीति सत्ता से बाहर हुई है। स्टालिन न केवल हारे हैं, बल्कि उनकी सरकार भी गई। छह दशक बाद राज्य में गैर द्रविड़ियन सरकार बनने जा रही है। हालांकि, अभी सत्ता में आने के लिये टीवीके को गठबंधन का सहारा लेना होगा। भाजपा के लिये भी पत्ते खेलने के अवसर हैं। जहां बंगाल, केरलम व तमिलनाडु में सत्ता विरोधी लहर में सरकारें ध राशायी हुई हैं,वहीं असम में भाजपा की हैट्रिक बनी है। हेमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने भरपूर बहुमत पाया है। पुडुचेरी में फिर एनडीए सत्ता पर काबिज हुआ है। लेकिन भाजपा की इस जीत की खुशी के बीच केरलम में कांग्रेस नीत गठबंधन की वापसी हुई है। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम वाम दलों के लिये दुरूस्वप्न ही साबित हुए हैं, केरलम में उनका आखिर गढ़ भी हाथ से निकल गया है। हालांकि, केरलम में भाजपा ने तीन व तमिलनाडु में एक सीट जीतकर हिंदी बेल्ट की पार्टी के ठप्पे से मुक्त होने का प्रयास किया है। इन विध ानसभा चुनाव परिणामों का निष्कर्ष यह भी है कि अब क्षेत्रीय क्षत्रपों की मुखर आवाज कुंद हो गई है। जहां ममता,स्टालिन व विजयन सत्ता से बाहर हो गए हैं, वहीं शरद पवार, अरविंद केजरीवाल, नीतीश कुमार, नवीन पटनायक का प्रभाव भी फीका हुआ है। वर्तमान विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद देश का 72 फीसदी भूभाग व 78 फीसदी आबादी भाजपा शासित है। अनुमान है कि अब भाजपा 'एक देश, एक चुनाव' के मुद्दे पर मुखर हो सकती है। कयास बंगाल को लेकर भी हैं कि वहां आंदोलनों के अगुवा रहे सुवेंदु अधिकारी को सत्ता की बागडोर सौंपी जाएगी, या भाजपा कोई चौंकाने वाली पहल करती है। बहरहाल, बंगाल में भाजपा ने आक्रामक चुनावी रणनीति से महज 8 फीसदी वोट प्रतिशत की वृद्धि से 131 सीटें बढ़ा ली हैं। इतना ही नहीं टीएमसी के मजबूत गढ़ों में 53 सीटें कब्जा ली हैं। बहरहाल, पहले से ही कमजोर विपक्ष को यह परिणाम बड़ा झटका है। कांग्रेस व वाम दलों से किनारा करके चलने की ममता की महत्वाकांक्षी कोशिश का लाभ भाजपा को मिला है। हां, इतना जरूर है कि दक्षिण भारत में पकड़ बनाने के लिये भाजपा को कड़ी मेहनत करनी होगी। इस बार उसे केरल की तीन व तमिलनाडु की एक सीट पर ही संतोष करना पड़ा है। वहीं केरलम में वाम मोर्चे के अंतिम किले का ध्वस्त होना और लगातार टकराव के मूड में रहने वाले स्टालिन की विदाई उसका उत्साह बढ़ाने वाले हैं। बहरहाल– ममता, विजयन और स्टालिन की हार से संकेत मिलता है कि कांग्रेस विपक्ष के कमजोर 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व करती रहेगी। लेकिन भाजपा को आने वाले समय में पंजाब में कड़ा मुकाबला करना पड़ेगा, जहां आम आदमी पार्टी व कांग्रेस अपनी जमीन मजबूत करने के प्रयासों में लगे हैं।

क्या खास कारण हैं मिडल क्लास की आर्थिक तंगी के

डा. वरिन्द्र भाटिया

भारतीय समाज में मिडल क्लास लोगों की हर वक्त आर्थिक हालत तंग रहना एक आम बात हो गई है। उनकी इस तंगी के लिए महंगाई के अलावा उनकी खुद की गलतियां भी जिम्मेदार हो सकती हैं। ये कौन–सी गलतियां हैं, जो उनकी पैसों की तंगी खत्म नहीं होने देतीं? सबसे पहले तो मिडल क्लास की सबसे बड़ी दिक्कत पैसा कम कमाना नहीं, बल्कि कमाए हुए पैसे को गलत जगह फंसाना है। इनकी पहली गलती है दिखावे पर खर्च करना। महंगा फोन, कर्जे पर बड़ी गाड़ी, महंगी शादी, टौरबाजी पर खर्चा इत्यादि ये सब समाज को दिखाने के लिए लिया जाता है। लोन की किस्त भरते–भरते कई साल निकल जाते हैं और कुछ भी पास नहीं बचता। बुद्धिमान लोग पहले आमदनी के जरिए बनाते हैं, फिर उससे लाइफस्टाइल खरीदते हैं। मिडल क्लास उल्टा करती है, यह क्लास पहले लाइफस्टाइल बनाती है, फिर जिंदगी भर उसकी लागत चुकाती है। दूसरी गलती है एक ही इंकम सोर्स पर टिके रहना। नौकरी गई तो पूरा घर हिल जाता है। साइड इंकम, स्किल, फ्रीलांस, छोटा बिजनैस, इन पर ध्यान नहीं दिया जाता क्योंकि उनके पास इन कामों के लिए 'टाइम नहीं है'। परंतु वैब सीरीज, टी. वी. पर मैच देखने और बेवजह मोबाइल चलाने के लिए, फिजूल की चीजों पर पैसा उड़ाने के लिए टाइम है। मिडल क्लास की तीसरी बड़ी गलती है सेविंग को निवेश समझना। फिक्स डिपॉजिट, सेविंग अकाऊंट, या सोना लॉकर में रखकर लगता है पैसा सेफ है। यह बुरा नहीं है, पर महंगाई 6 प्रतिशत है और फिक्स डिपॉजिट 7 प्रतिशत दे रहा है। टैक्स काटकर रिटर्न नैगेटिव हो जाता है। इस तरह पैसा बढ़ता नहीं, धीरे–धीरे घटता है। हो सकता है इक्विटी, रियल एस्टेट, स्किल में पैसा लगाने का डर मिडल क्लास को कमजोर रखता हो। चौथी गलती है इंश्योरैंस और एमरजैंसी फंड न रखना। एक मैडिकल बिल या जॉब लॉस सारी सेविंग खा जाता है। फिर पर्सनल लोन, क्रैडिट कार्ड के जाल में फंस जाते हैं। 6 महीने का खर्च अलग रखना और 25 लाख का हैल्थ कवर बेसिक है, पर ज्यादातर लोग इसे टालते हैं। पांचवीं गलती है बच्चों की पढ़ाई और शादी के लिए बेवजह कर्ज लेना। एजुकेशन लोन तो ठीक है, पर प्राइवेट कॉलेज में 40 लाख फीस देकर 30 हजार की नौकरी मिले तो क्या ठीक है? आजकल शादी में दिखावे के लिए जायदाद बेच देना, मोटा कर्ज लेना इत्यादि क्या बुद्धिमता है? छठी गलती है मिडल क्लास में वित्तीय साक्षरता की कमी होना। टैक्स बचाने के लिए बेकार बीमा पॉलिसी ले लेना, दोस्त की सलाह पर शेयर में पैसा फंसाना या कमेटी और चिट फंड में उलझ जाना। हम समझ लें कि पैसा कमाने से ज्यादा जरूरी है पैसे की ठीक तरीके से संभाल करना सीखना, पर स्कूल–कॉलेज में यह कोई ज्यादा सिखाता नहीं। मिडल क्लास के लोग अच्छा कमाने के बाद भी पैसे की दिक्कत में इसलिए रहते हैं क्योंकि इंकम बढने से पहले लाइफस्टाइल बढ़ जाता है। इसे लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन बोलते हैं। पहले 40 हजार कमाते थे तो स्कूटी से काम चलता था, 1 लाख होने पर लगता है कार तो जरूरी है। फिर कार ली तो किस्त आई, पैट्रोल, मेंटेनैंस, पार्किंग का खर्चा अलग। यदि सैलरी बढ़ कर हुई 70 हजार, खर्चा बढ़ गया 95 हजार, तो इससे कुछ भी नहीं सुधारता। आजकल मिडल क्लास के ज्यादातर लोगों को पैसा नियंत्रित करना नहीं आता। पैसा कमाना एक स्किल है और बचाना, इन्वैस्ट करना दूसरी जरूरी स्किल। हम स्कूल–कॉलेज में सब कुछ पढ़ते हैं, पर व्यापार के छात्रों के अतिरिक्त अन्य छात्रों को बजट बनाना, टैक्स सेव करना, एमरजैंसी फंड रखना कोई नहीं सिखाता। ये स्किल्स ज्यादा जरूरी हैं। आर्थिक योजना की कमी के कारण भी अनेक अच्छी सैलरी वाले लोग सोचते हैं कि अभी तो आ रहा है, बाद में बचा लेंगे। पर बचाने वाला कल कभी भी नहीं आता है। असल में मिडल क्लास आर्थिक दृष्टि से कमजोर नहीं, बस उनके पैसे का प्रबंध ठीक नहीं होता। जब तक हम खर्च से पहले निवेश नहीं करेंगे, फिजूल खर्ची से किनारा नही करेंगे, तब तक आध्थक हालत नहीं सुधरेगी।

पजेशन के बाद भी सेवा में कमी पर मुआवजे का हक

उपभोक्ता को बिल्डर की ओर से सेवाओं में कमी के खिलाफ शिकायत करने व मुआवजा मांगने का अधिकार है। खासकर, फ्लैट या मकान का बैनामा व कब्जा मिलने के बाद भी ऐसी कमी आये तो वह उपभोक्ता अदालत की शरण ले सकता है। दिल्ली राज्य उपभोक्ता आयोग ने एक मामले में यह फैसला सुनाया है। वहीं पजेशन में देरी पर क्रमशरू हरिद्वार व जयपुर की उपभोक्ता अदालतों ने भी बिल्डरों को निर्देश दिये कि खरीदारों की राशि हर्जाने समेत वापस दें। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में कई तरह की सेवा में कमी के मामले सामने आते हैं। जिन्हें लेकर उपभोक्ता अदालतों की शरण लेता है। दिल्ली राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने जिला उपभोक्ता आयोग के फैसले को निरस्त कर परिवाद की पुनः सुनवाई के लिए जिला आयोग को निर्देशित किया है। जिला आयोग ने परिवादी महिला की शिकायत को सिर्फ इसलिए निरस्त कर दिया था कि केस फाइल करते समय वह उपभोक्ता नहीं थी। इस मामले में राज्य उपभोक्ता आयोग ने कहा कि किसी भी उपभोक्ता को बिल्डर या डेवलपर की ओर से सेवाओं में कमी के लिए मुआवजा मांगने और उसके लिए क्लेम करने का अधिकार है। दिल्ली राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने कहा, 'प्रॉपर्टी का कब्जा मिलने या बैनामा होने के बाद भी सेवाओं में कमी को लेकर मुआवजा मांगा जा सकता है।' राज्य उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष जस्टिस संगीता ढींगरा सहगल और सदस्य पिंकी की बेंच ने पीड़ित महिला की अपील मंजूर कर जिला उपभोक्ता आयोग द्वारा उनकी शिकायत पर 28 फरवरी सन 2020 को दिए गए फैसले को निरस्त कर दिया। सन 1996 में परिवादी के पति के नाम पर एक फ्लैट आवंटित किया गया था, लेकिन पति के निधन के बाद उन्हें फ्लैट का पजेशन पाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। सन 2019 में जब कब्जा मिला तो फ्लैट जर्जर हो चुका था। रेनोवेशन पर उन्हें काफी खर्च करना पड़ा। इसकी भरपाई के लिए उन्होंने उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर कर 20 लाख रुपये मुआवजा मांगा। इस मामले में राज्य उपभोक्ता आयोग को इस सवाल का जवाब देना था कि क्या शिकायतकर्ता उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 (अब 2019) में परिभाषित कंज्यूमर कैटेगरी में आता है, साथ ही इस मामले में उनके इस परिवाद को खारिज करके जिला आयोग ने गलती की है। इस अहम फैसले में राज्य आयोग ने मामले को फिर से जिला उपभोक्ता आयोग के पास भेज दिया। इसी प्रकार के अन्य मामले में फ्लैट का कब्जा न मिलने पर जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग हरिद्वार ने एक हाउसिंग डेवलपमेंट प्रा. लि. और उसके निदेशकों को उपभोक्ता को छह लाख रुपये से अधिक की जमा ध नराशि ब्याज सहित लौटाने के आदेश दिए हैं। आयोग ने फ्लैट निर्माण में अत्यधिक देरी और सेवा में कमी को गंभीर मानते हुए कंपनी पर हर्जाना भी लगाया है।

रचना सक्सेना के गीत

चंदन जैसा अंतर महके, पहनो गुण गहना।
विषधर की फुफकार मिले तो, मौन खड़े सहना।।

मृदु वचनों में गरल घुलेगा, समझो इस जग में।
बूंद सुधा की मौन अधर से, टपकाना पग में।।
मिले अगर अपमान जगत में, कटु तुम मत कहना
चंदन जैसा अंतर महके, पहनो गुण गहना।

कलुष भेद के मद में डूबे, ज्यो नभ घन गहरे।
त्यों मानव के रूप दनुज के, चहुँ दिश में पहरे।।
मिले विसंगतियाँ जग कितनी,शीतल जल बहना।
चंदन जैसा अंतर महके, पहनो गुण गहना।।

कभी बढ़े पीड़ा अंतर की, टूटे हिय अपना।
नीर बहाकर पीना पीड़ा, समझो यह सपना।
करो साधना शाश्वत सच्ची, सरल सहज रहना।
चंदन जैसा अंतर महके, पहनो गुण गहना ।।

रचना सक्सेना
प्रयागराज

यह समूचे विपक्ष के लिए सबक

ममता बनर्जी की पश्चिम बंगाल में पराजय सिर्फ उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) के लिए सबक नहीं बल्कि समूचे विपक्ष को इससे सतर्क हो जाना चाहिए। भाजपा का यह अभियान सिर्फ पश्चिम बंगाल तक नहीं है बल्कि इसके बाद पंजाब और उत्तर प्रदेश में भी चलेगा। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में भले ही योगी आदित्यनाथ हैट्रिक लगाने में 2027 में सफल हो जाएं लेकिन समाजवादी पार्टी का कांटा अब तक चुभ रहा है। लोकसभा में ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ही तीसरी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है जबकि अखिलेश यादव की सपा दूसरे स्थान पर है। पहले स्थान पर कांग्रेस है। भाजपा का मिशन विपक्ष को शून्य करने का है। इसलिए वामपंथी दलों और कांग्रेस के साथ आम आदमी पार्टी और बीजू जनता दल (बीजद) को भी पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजे पर चिंतन–मनन करना चाहिए। साल 2024 के लोकसभा चुनावों में केंद्र की मोदी सरकार और बीजेपी के खिलाफ बने इंडिया ब्लॉक के बड़े चेहरे के तौर पर भी ममता बनर्जी को देखा जा रहा था। उन्होंने ही लालू प्रसाद यादव और उस समय विपक्षी गुट में रहे नीतीश कुमार को विपक्षी गठबंधन की पहली बैठक पटना में करने की सलाह दी थी। यह ऐसी सलाह थी, जो मानी भी गई और इंडिया ब्लॉक की पहली बैठक पटना में हुई थी। तृणमूल कांग्रेस केंद्र में तीसरी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है। साल 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों में उससे ज्यादा सीटें केवल कांग्रेस (99) और एसपी (37) ने जीती थीं। टीएमसी को उन चुनावों में पश्चिम बंगाल की 42 में से 29 सीटों पर जीत मिली थी। विधानसभा चुनाव में बम्पर जीत के साथ ही बीजेपी अब पश्चिम बंगाल की सभी 42 सीटों पर सेंधमारी की कोशिश करेगी. ममता बनर्जी एक बड़ी नेता हैं और उनकी पार्टी की हार विपक्ष को कमजोर करेगी।

विपक्षी दलों में एकता नहीं है, यह स्पष्ट तौर पर दिखा। एसआईआर को विपक्षी दलों ने ममता बनर्जी का सिरदर्द समझ लिया। ये सारे दल वैचारिक तौर पर अलग–अलग हैं, जबकि बीजेपी जो दक्षिणपंथी राजनीति करती है, उसका अब कोई विकल्प नहीं बचा है। कुल मिलाकर विपक्ष कमजोर हुआ है. विपक्ष के सारे बड़े नेता हार गए हैं। इसका एक असर यह होगा कि विपक्षी नेताओं ने बीजेपी का ज्यादा विरोध किया और दबाव बनाने की कोशिश की, तो उनकी फाइलें खोली जाएँगी। इनमें ममता बनर्जी और एमके स्टालिन दोनों ही शामिल हैं।

बीजेपी नेताओं ने पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान ममता बनर्जी और उनकी पार्टी पर कथित तौर पर बांग्लादेशी नागरिकों को शरण देने और भ्रष्टाचार के कई आरोप लगाए थे। पश्चिम बंगाल में जीत ने बीजेपी के लिए नया दरवाजा खोल दिया है। अब बीजेपी उन राज्यों में भी अपनी सरकार बनाने के लिए पूरे मनोबल के साथ आगे बढ़ सकती है, जहाँ उसे कमजोर माना जाता है. बीजेपी को बिना विपक्ष की राजनीति चाहिए. इस जीत से उसका मनोबल बढ़ा है। इसलिए बंगाल में हार के बाद विपक्ष को खुद पर फिर से विचार करना होगा। संसदीय राजनीति में अवसरवाद इतना हावी है कि सब अपने बारे में सोचते हैं। पश्चिम बंगाल में जिस तरह से बीजेपी की जीत हुई है, उत्तर प्रदेश में भी ऐसा ही होगा। अब राजनीति बीजेपी बनाम छोटे–छोटे दलों की बची हुई है. यह लोकतंत्र के लिए बहुत ही दुखद है। पश्चिम बंगाल में वाम दल, एआईएमआईएम, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस थे, जिनमें कथित धर्मनिरपेक्ष वोट बँट जाता है, जबकि बीजेपी बहुसंख्यकों की राजनीति करती है और उसका वोट किसी पार्टी में नहीं बँटता है। विपक्ष के आगे बढ़ने में एक समस्या यह भी है कि उसकी एकता या रणनीति केवल कागजों पर बनती है। पश्चिम बंगाल की हार से विपक्ष का मनोबल टूटेगा। लेकिन विपक्ष अगर सकारात्मक हो जाए और बिहार में हार के बाद जिस तरह निष्क्रिय होकर बैठ गया, वैसा न करे तो उसके लिए बेहतर होगा। ममता बनर्जी की इस हार के बाद विपक्ष के सामने रास्ता यही है कि वो कांग्रेस के नेतृत्व को स्वीकार करें और कांग्रेस भी बड़ा दिल दिखाए। अगर ऐसा हो जाता है तो विपक्ष आगे बढ़ पाएगा। यह समय न केवल विपक्षी दलों के लिए अहम है, बल्कि बीजेपी के लिए भी अहम है कि अब विपक्ष की क्या रणनीति रहती है।

बीजेपी के पास अब उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, असम, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे कई राज्यों में सरकार है. पश्चिम बंगाल में जीत ने बीजेपी के लिए नया दरवाजा खोल दिया है. अब बीजेपी उन राज्यों में भी अपनी सरकार बनाने के लिए पूरे मनोबल के साथ आगे बढ़ सकती है, जहाँ उसे कमजोर माना जाता है। बीजेपी ने करीब तीन दशक बाद दिल्ली में सत्ता में वापसी की है. जबकि कुछ ही दिन पहले बिहार में पहली बार सम्राट चौधरी के तौर पर बीजेपी को अपना पहला मुख्यमंत्री मिला है। पश्चिम बंगाल में बीजेपी को प्रचंड जनादेश मिला है और तृणमूल कांग्रेस की हार हुई है। पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने 207 सीटें हासिल की हैं और तृणमूल कांग्रेस 80 सीटों पर ही सिमट गई है। कांग्रेस को 2 और एजेयूपी को 2 सीटें मिली हैं। सीपीआई (एम) को केवल एक सीट मिली है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, असम और बंगाल में भाजपा द्वारा चुनाव आयोग के समर्थन से चुनाव धांध ली के स्पष्ट उदाहरण देखने को मिलते हैं। हम ममता जी से सहमत हैं। बंगाल में 100 से अधिक सीटें धांधली से प्रभावित हुईं। हमने पहले भी इस तरह की रणनीति देखी है। मध्य प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, लोकसभा 2024 आदि। चुनाव चोरी, संस्था चोरी – अब और चारा ही क्या है! सपा नेता अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, हर धोखे भरी जीत की एक समय सीमा होती है। यही तथ्य सत्य का आधार है। सपा नेता अखिलेश यादव ने कहा, क्या सत्ताधारी राजनीति अब इसे पाताल से भी नीचे ले जाने पर आमादा है? यह देश के राजनीतिक इतिहास के सबसे अंधेरे दिनों में से एक है। दिल्ली के पूर्व सीएम और आप नेता अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, दिल्ली और बंगाल, जहां भाजपा मोदी लहर के चरम पर भी जीत हासिल नहीं कर पाई, 2015 में दिल्ली में और 2016 में बंगाल में, उन्हें सिर्फ 3–3 सीटें मिलीं। वहीं दिल्ली और बंगाल में भाजपा ने तब जीत हासिल की जब पूरे देश में मोदी जी की लोकप्रियता चरमरा रही थी, कैसे? (हिफी)

सीमा वर्णिका की कलम से

'भिखारिन'

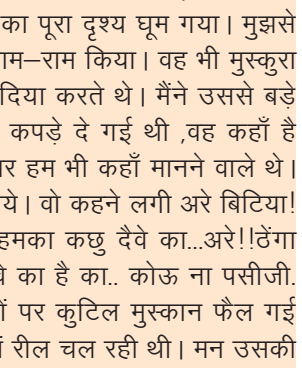

सीमा वर्णिका, कानपुर

रोज आते जाते रास्ते में मंदिर के पास बैठी उस भिखारिन पर एक निगाह पड़ जाती थी। कभी–कभी उसे कुछ दे दिया करती थी मैं। वह बदले में अपनी रटी रटाई दुआएं देती.... दिसंबर लग गया था हवा में ठंडक बढ़ने लगी थी। स्कूटी से आने जाने में हल्की सर्दी महसूस होती थी।

उस रोज मंदिर के पास आकर मैंने अपनी स्कूटी रोकी– किनारे एक सुरक्षित जगह देखकर खड़ी कर दी । मंगलवार का दिन था मंदिर में भक्तों की बहुत भीड़ थी ..लाइन कुछ लंबी हो चली थी मैं भी लाइन में खड़ी हो गई अपना पर्स फोन बगैरा ठीक से संभाला। अक्सर मंदिरों पर सामान चोरी हो जाता है। अभी मेरा नंबर आने में वक्त था.. मन ही मन ईश्वर से प्रार्थना की फिर थोड़ी देर में नजर इधर उधर भटकने लगी। ऑखें उस भिखारिन पर पर टिक गई. . लोग खाने पीने का सामान दे रहे थे ..कुछ पैसे भी बांट रहे थे। मैं चुपचाप उसकी हरकतें देख रही थी। कोई कुछ भी देता वह अपने पास रक्खी गठरी में घुसा देती। ऊपर सामने कुछ भी नहीं रखती और ऑखों में ऑसू और चेहरा दयनीय बना फिर से माँगने का सिलसिला शुरू कर देती। बहुत देर तक उसके मनोविज्ञान को पढ़ती रही.. तभी एक वृद्धा जो देखने से काफी संभ्रांत लग रही थी गाड़ी से उतरी उन्होंने उसे एक शॉल और एक नई धोती दी और उससे कहने लगी,ष गंदे फटे कपड़े हटा दो इसे पहन लो।ष भिखारिन ने उन्हें ढेर सारी दुआएँ दी और आश्वासन दिया कि बाद में कपड़े बदल लेगी। मेरा नंबर आ गया था हमने मंदिर में जा कर पूजा अर्चना की। फिर वहाँ से हम वापस आ गए।

फिर एक रोज हम उस रास्ते से गुजर रहे थे मेरी नजर उस भिखारिन पर पड़ी। वह गंदे और फटे कपड़ों में सिकुड़ी बैठी थी। स्मृति पटल पर उस रोज का पूरा दृश्य घूम गया। मुझसे रहा नहीं गया। मैंने उसके पास अपनी स्कूटी रोकी और उससे राम–राम किया। वह भी मुस्कुरा दी मुझे पहचानने लगी थी। आते जाते अक्सर हम उसे कुछ दे दिया करते थे। मैंने उससे बड़े अपनेपन से पूछा ,ष्अम्मा मंगलवार को माताजी तुम्हें शॉल और कपड़े दे गई थी ,वह कहाँ है पहने क्यों नहीं?ष वह थोड़ी अनमनी हुई बात को टालने लगी। पर हम भी कहाँ मानने वाले थे। जब हमने बहुत जोर दिया तब उसने जो बोला हम सुन कर रह गये। वो कहने लगी अरे बिटिया! हम का अच्छा कपड़ा पहिन के अच्छे से बइठवें तो लोग बाग हमका कछु दैवे का...अरे!!ठेंगा देंगे .. बिटिया हमरा तो जीने का यही सहारा है.. काम बिगड़ावे का है का.. कोऊ ना पसीजी. . रुपैया अठन्नी भी ना निकली किसी की जेब से।ष उसके होठों पर कुटिल मुस्कान फैल गई हमने उसे कुछ पैसे दिए और वहाँ से आगे बढ़ गए मेरे मस्तिष्क में रील चल रही थी। मन उसकी बातों का विश्लेषण करने में लगा था। निष्कर्ष यही निकल रहा था,भीख माँगना भी एक व्यवसाय है और उसको बनाए रखने के लिए फटे हाल दिखना भी जरूरी।

धर्म करते हैं तो कर्म छूटता है, `कर्तव्य' का ट्रेलर हुआ रिलीज, इंस्पेक्टर के रोल में धाकड़ नजर आए सैफ अली खान

सैफ अली खान की नई क्राइम ड्रामा फिल्म कर्तव्य का धांसू ट्रेलर आज जारी कर दिया गया है। ट्रेलर में टेंशन और नैतिक उलझनों से भरी दुनिया दिखाई गई है। इसमें सैफ अली खान के अलावा रसिका दुगल, संजय मिश्रा, जाकिर हुसैन, मनीष चौधरी और सौरभ द्विवेदी जैसे शानदार कलाकार हैं। सैफ अली खान पुलिस अधिकारी पवन की भूमिका में हैं। ड्यूटी के दौरान एक पत्रकार उनकी निगरानी में गोली लगकर मर जाता है। इसके बाद पवन जांच के घेरे में आ जाता है। सीनियर अधिकारियों का दबाव बढ़ता जाता है और पवन हमलावर को पकड़ने के चक्कर में फंसता चला जाता है। इसके साथ ही उसके भाई से जुड़े एक मामले में परिवार को धमकी मिलती है। पवन सिस्टम और घर दोनों जगह फंस जाता है। फर्ज और परिवार के बीच वह मुश्किल चुनाव करने को मजबूर हो जाता है। हर फैसले की कीमत चुकानी पड़ती है।

> “ सीनियर अधिकारियों का दबाव बढ़ता जाता है और पवन हमलावर को पकड़ने के चक्कर में फंसता चला जाता है। इसके साथ ही उसके भाई से जुड़े एक मामले में परिवार को धमकी मिलती है। पवन सिस्टम और घर दोनों जगह फंस जाता है।

मैसा' में दिखेगा रश्मिका मंदाना का सबसे दमदार अवतार, केरल शेड्यूल पूरा कर हुई इमोशनल

पैन–इंडिया स्टार रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म डलें को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने केरल में फिल्म का लंबा और अहम शेड्यूल पूरा किया है, जिसमें हाई–ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस शूट किए गए। करीब 16 दिनों तक चले इस शेड्यूल के बाद रश्मिका ने अपनी टीम के प्रति आभार जताते हुए सोशल मीडिया पर इमोशनल पोस्ट शेयर किया। छोड़ी। उन्होंने बैंकॉक में रोजाना करीब 8 घंटे तक कॉम्बैट फाइटिंग और अलग–अलग एक्शन फॉर्म्स की ट्रेनिंग ली। इस खास तैयारी का असर फिल्म में उनके दमदार और पहले से अलग अवतार में साफ देखने को मिलेगा। एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में स्टंट टीम का खास तौर पर धन्यवाद किया और मजाकिया अंदाज में लिखा कि उन्होंने उन्हें "लोगों को बिना चोट पहुंचाए मारना" सिखाया। केरल शेड्यूल खत्म होने के बाद रश्मिका ने अपनी टीम के साथ बिताए पलों को याद करते हुए भावुक संदेश लिखा। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी टीम की अभी से याद आ रही है और जल्द ही दोबारा सेट पर मिलने का इंतजार है। उनकी पोस्ट से साफ झलकता है कि इस फिल्म के साथ उनका इमोशनल कनेक्शन कितना गहरा है। मैसा एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर है, जो जनजातीय भूमि की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म को रविन्द पुल्ले डायरेक्ट कर रहे हैं और इसे प्रोड्यूस कर रहा है। फिल्म में दमदार विजुअल्स, एक मजबूत कहानी और रश्मिका का पावरफुल परफॉर्मेंस देखने को मिलेगा, जो इसे 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल कर रहा है।

`काला एक्टर नहीं चाहिए', दिब्येंदु भट्टाचार्य ने किया रंग भेद का सामना, बॉलीवुड में रेसिज्म पर किया खुलासा

अभिनय से अपनी अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता दिब्येंदु भट्टाचार्य ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में रेसिज्म के प्रभाव के बारे में बात की। उन्होंने इसे एक गहरी जड़ जमा चुकी समस्या बताया, जिसका असर कास्टिंग पर आज भी पड़ता है। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें भी अपनी त्वचा के रंग के चलते प्रोजेक्ट्स से हाथ धोना पड़ा। साथ ही बताया कैसे रंग के आधार पर भेदभाव आज भी इंडस्ट्री में मौजूद है। बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में दिब्येंदु भट्टाचार्य ने खुलासा किया कि उन्हें एक विज्ञापन की शूटिंग से कुछ ही दिन पहले रिप्लेस कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर समस्या है और इसकी जड़ें गहरी हैं। कुछ ही दिन पहले मुझे एक विज्ञापन के लिए चुना गया था और चार–पांच दिन तक बातचीत चली और सिर्फ तीन दिन बाद शूटिंग होनी थी। तो मैंने उनसे पूछा कि क्या हम शूटिंग करेंगे या नहीं? उन्होंने कहा, नहीं दादा, आपको रिप्लेस किया है क्योंकि आप काले हो और काला एक्टर नहीं चाहिए। उन्होंने बताया कि फिल्म निर्माताओं ने बिल्कुल यही शब्द कहे थे। मुझे व्यक्तिगत रूप से इस टिप्पणी से कोई फर्क नहीं पड़ा, क्योंकि मुझे अपनी पहचान से कोई परेशानी नहीं है। दिब्येंदु ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी घटनाएं व्यवस्था के भीतर एक बड़ी समस्या को दिखाती हैं। यह मुद्दा निजी अनुभवों से ऊपर है। इसका संबंध इस बात से है कि लोगों को बचपन से ही किस तरह से सिखाया जाता है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, पर आप कुछ नहीं कर सकते। उन्होंने इसकी तुलना जापान और कोरिया जैसे देशों से की, जहां बच्चों को शिक्षा प्रणाली के माध्यम से जीवन के शुरुआती दौर में ही अनुशासन और सहानुभूति सिखाई जाती है। भारत में ऐसे मूल्य अक्सर घर के पालन–पोषण पर निर्भर करते हैं, न कि स्कूली शिक्षा के माध्यम से। अगर घर में ऐसी सीख मिलती है, तो बच्चा संस्कारी बनता है। दिब्येंदु भट्टाचार्य हाल ही में सोनी लिव की सीरीज श्अनदेखी सीजन 4श में नजर आए हैं। आशीष आर शुक्ला द्वारा निर्देशित इस शो में हर्ष छाया, सूर्या शर्मा, अंकुर राठी और गौतम रोडे भी अहम भूमिकाओं में हैं और इसे मिली–जुली समीक्षाएं मिली हैं।

'पति पत्नी और वो 2' का नया गाना 'हमने वहीं लगाया दिल' रिलीज, बादशाह के रैप ने बढ़ाया फिल्म का क्रेज

बॉलीवुड फिल्म 'पति पत्नी और वो का नया गाना 'हमने वहीं लगाया दिल' रिलीज होते ही चर्चा में आ गया है। फिल्म के पहले से हिट हो चुके गानों के बाद यह ट्रैक भी दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है और फिल्म के म्यूजिक एल्बम को और मजबूत बना रहा है। यह गाना एक पुराने लोकप्रिय ट्रैक का नया और ताजा वर्जन है, जिसमें नॉस्टैल्जिया और मॉडर्न बीट्स का शानदार मेल देखने को मिलता है। 'हमने वहीं लगाया दिल' को बादशाह, कृष मोंडल, किशोर मोंडल और इप्सिता ने गाया है। गाने का म्यूजिक बादशाह, हितेन और देव सदाना ने तैयार किया है, जबकि इसके बोल बादशाह और कुणाल वर्मा ने लिखे हैं। जोशीले संगीत और कैची लिरिक्स की वजह से यह गाना तेजी से लोगों की प्लेलिस्ट में शामिल हो रहा है। इस गाने की खासियत इसका यूनिक जंगल–थीम सेटअप है, जो फिल्म के "वाइल्ड" और मस्ती भरे अंदाज को दर्शाता है। गाने में एक साथ नजर आ रहे हैं। कोरियोग्राफर ठवेबव स्मेसपम डंतजपे के डांस मूव्स इस ट्रैक को और भी एनर्जेटिक बनाते हैं। फिल्म का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है और इसे टी–सिरीज व बीआर स्टूडीयो ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है और रिलीज से पहले ही इसके गाने दर्शकों के बीच जबरदस्त माहौल बना रहे हैं।

संजय दत्त के बाद महिला आयोग के सामने पेश हुई नोरा, बोलीं– 'मुझे ऐसी स्थिति में डाला गया

मार्च 2026 में रिलीज हुए अभिनेत्री नोरा फतेही के गाना सरके चुनर पर जमकर विवाद हुआ था। अब गुरुवार को इस मामले में एक्ट्रेस राष्ट्रीय महिला आयोग के सामने पेश हुईं। यहां उन्होंने मीडिया से बात कर अपनी सफाई दी। राष्ट्रीय महिला आयोग के कार्यालय से बाहर निकलते हुए नोरा ने मीडिया से बात कर मामले पर अपनी सफाई दी। उन्होंने कहा, श्यह बस एक ऐसी स्थिति थी जिसमें मुझे डाल दिया गया और मेरा किसी को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था। एक कलाकार होने के नाते मुझे अपनी जिम्मेदारी निभानी ही होगी। मैंने माफी मांग ली है और सब कुछ लिखित में दे दिया है। वो लोग बहुत ही दयालु और मददगार हैं। आगे नोरा ने कहा, श्समाज से मिले प्यार को वापस करना हमारी जिम्मेदारी है इसलिए मैंने फैसला किया है कि मैं कुछ अनाथ लड़कियों की शिक्षा का खर्च उठाऊंगी। इस मामले के बाद यही हमारा लक्ष्य है। इस मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने नोरा फतेही से पहले संजय दत्त को तलब किया था। 27 अप्रैल को हुई इस पेशी में एक्टर ने गाने के लिए मांफी मांगी थी। इसके साथ सामाजिक कल्याण और महिला सशक्तिकरण में योगदान के रूप में 50 आदिवासी लड़कियों की शिक्षा का खर्च उठाने का वादा किया, जिसके बाद उन्हें आयोग से राहत मिल गई थी। फिल्म केडी द डेविल का गाना सरके चुनर मार्च में रिलीज किया गया था। रिलीज के बाद दर्शकों ने इसकी काफी आलोचना की। इसके हिंदी गाने के बोल और विजुअल्स दोनों ही अश्लील और आपत्तिजनक लगे थे जिसके बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर हंगामा हुआ था। बाद में मेकर्स ने माफी मांगते हुए गाने को सभी प्लेटफॉर्म्स से हटा लिया गया। साथ ही अभिनेत्री नोरा फतेही और अभिनेता संजय दत्त पर महिला आयोग ने कड़ा रूख अपनाया था।

बढ़ता कोलेस्ट्रॉल करेगा कंट्रोल करेगा करी पत्ता, इन 4 तरीकों से सेवन करने से होगा फायदा

खून में कोलेस्ट्रॉल का स्तर ज्यादा होने से कई तरह की गंभीर बीमारियों का जोखिम होने लगता है। खासकर हाई ब्लड प्रेशर के कारण हृदय संबंधी बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए बढ़ते कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करना बहुत ही आवश्यक है। कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित करने के लिए आप करी पत्ते को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व रक्तचाप के स्तर को नियंत्रित

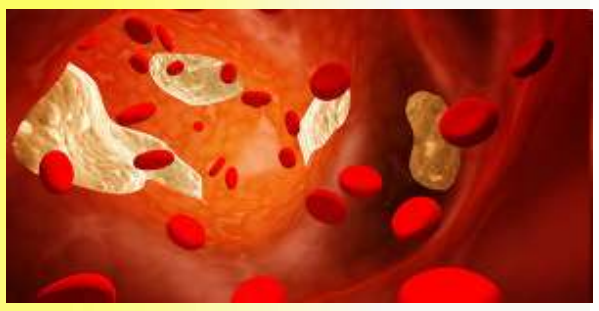

करने में मदद करेंगे। तो चलिए आपको बताते हैं इसे आप अपनी डाइट में कैसे शामिल कर सकते हैं...

करी पत्ते के पोषक तत्व

करी पत्ते में एंटीऑक्सीडेंट्स गुण पाए जाते हैं इसके अलावा यह फाइटोन्यूट्रिएंट्स का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व हाई बीपी और हृदय रोगों से बचाने में मदद करते हैं। कई शोधों यह बात साबित हो चुकी है कि करी पत्ते का सेवन करने से ब्लड प्रेशर का स्तर कंट्रोल में किया जा सकता है।

ऐसे करें इसका सेवन

खाने में करें शामिल

करी पत्ते को डाइट में शामिल करने के लिए आप इसे सब्जी, दाल, करी आदि में इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपके स्वास्थ्य को भी लाभ देगा और खाने का स्वाद भी कई गुणा बढ़ा देगा।

चाय के रुप में पिएं

आप करी पत्ते को चाय में डालकर भी पी सकते हैं। करी पत्ते की चाय के साथ आप अपने दिन की शुरुआत कर सकते हैं। एक कप पानी में कम से कम 8–10 गिलास करी पत्ता उबालें। फिर इसे छानकर शहद में मिलाएं। इसके बाद आप इसका सेवन कर सकते हैं।

चटनी बनाकर खाएं

करी पत्ते की चटनी बनाकर भी आप खा सकते हैं। एक पैन में दो चम्मच तेल गर्म करें और उसमें 1/4 चम्मच हींग, 1/2 चम्मच राई, 2 चम्मच उड़द की दाल और 1 सूखी लाल मिर्च मिलाएं। इन सारे मसालों को अच्छे से रोस्ट कर लें। रोस्ट करके मसालों को अच्छे से ठंडा करें और एक कप में निकाल लें। ग्राइंड करके इसमें अपने स्वादअनुसार नमक मिलाकर आप इसका सेवन कर सकती हैं।

खाली पेट चबाकर खाएं

करी पत्ते को आप खाली पेट खा सकते हैं। खाली पेट करी पत्ते का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। एक्सपर्ट्स की मानें तो रोजाना सुबह खाली पेट 5–8 करी पत्ते चबाने से कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है।

शादी के बाद भी ग्लो करेगा चेहरा, इन सिंपल तरीकों से करें स्किन की देखभाल

हर लड़की के लिए शादी का दिन बहुत ही खास होता है। इस दिन संजने–संवरने के लिए वह कोई मौका नहीं छोड़ना चाहती। इसलिए महीनों पहले ही शादी की तैयारियां शुरु कर देती हैं। पार्लर में भी पूरे महीने का पैकेज बुक करवा लेती हैं जिसमें फेशियल से लेकर मसाज हर चीज शामिल होती है। लेकिन शादी के बाद भी त्वचा ग्लोइंग रहे इसके लिए आपको कुछ खास बातों का ध्यान रखना पड़ेगा। शादी के बाद नई नवेली दुल्हन के चेहरे पर निखार रहता है परंतु यदि आप चाहते हैं कि यह निखार ऐसे ही रहे तो इसके लिए आप यह ब्यूटी टिप्स फॉलो कर सकती हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

मेकअप से बनाएं दूरी

शादी में लड़कियों को खूबसूरत दिखने के लिए चेहरे पर काफी ज्यादा मेकअप करना पड़ता है। मेकअप के साथ ही शादी में एक परफेक्ट ब्राइड लुक आता है। लेकिन मेकअप ज्यादा लगाने के कारण त्वचा खराब भी हो सकती है। इसलिए शादी के बाद कोशिश करें कि मेकअप से दूरी बनाएं ताकि स्किन पर नैचुरल ग्लो रहे।

नैचुरल लुक के लिए करें ये काम

शादी के बाद अगर आपको सिर्फ रेडी ही होना है तो मॉइश्चराइजर के साथ सिर्फ लिपस्टिक और आंखों में काजल

लगाएं। इससे आपकी लुक नेचुरल खूबसूरत दिखेगी।

पूरी लें नींद

शादी की तैयारियों के चलते लड़कियों के लिए पूरी नींद लेना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा लड़कियों को थोड़ा मेंटल स्ट्रेस भी होता है। इसलिए शादी के बाद पूरी नींद लें ताकि आपके चेहरे और आंखों के आस–पास ताजगी रहे और आपका चेहरा एकदम फ्रेश होगा।

सनस्क्रीन लगाएं

चेहरे की सनस्क्रीन भी जरुर लगाएं भले ही आपकी शादी अभी हुई है लेकिन घर से बाहर जाने से पहले चेहरे पर अच्छे से सनस्क्रीन लगाएं ताकि स्किन की खास देखभाल की जा सके। इससे आपकी त्वचा टैनिंग से भी बची रहेगी।

डाइट पर करें फोकस

शादी के बाद अपनी डाइट का पूरा ध्यान रखें क्योंकि शादी के दौरान तेल–मसाले वाला खाना–खाने से चेहरे पर पिंपल्स होने लगते हैं। इसलिए शादी के बाद चेहरे को एक्ने और मुंहासें से बचाने के लिए फलों और जूस का सेवन करें। इसके अलावा पर्याप्य मात्रा में पानी पिएं, नारियल पानी और लिक्विड को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। शरीर को डिटॉक्स करने के लिए ग्रीन टी, डिटॉक्स वॉटर पिएं। इससे स्किन पर नेचुरल ग्लो भी रहेगा।

बालों की बढ़ेगी ग्रोथ, तेल में मिलाकर लगाएं ये 4 चीजें

हर लड़की चाहती है कि उसके बाल लंबे, घने और मजबूत रहें। इसके लिए बालों में नियमित तेल लगाना आवश्यक है। बालों की तेल से मालिश और चंपी करने से रक्त संचार बढ़ता है इसके अलावा हेयर फॉलिकल को पोषण मिलता है बाल टूटने भी कम होते हैं। नियमित रुप से ऑयलिंग करने से डैंड्रफ, दो मुंहे बाल और ड्राई हेयर जैसी समस्याएं भी दूर रहती हैं। बालों की ग्रोथ बढ़ाने के लिए नारियल, आरंडी या फिर बादाम का तेल बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा बालों की ग्रोथ के लिए आप नियमित रुप से कुछ चीजें तेल में मिलाकर लगा सकते हैं। इससे बालों की ग्रोथ अच्छे से होगी और बाल मजबूत भी बनेंगे। तो चलिए आपको बताते हैं कि कैसे आप बालों को मजबूत बना सकते हैं...

जैतून के तेल में कलौंजी

बालों की लंबाई बढ़ाने के लिए आप कलौंजी और जैतून का तेल मिलाकर बालों की मालिश कर सकते हैं। इससे बाल मजबूत बनेंगे और ग्रोथ भी होगी। जैतून के तेल में एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं जो स्कैल्प में मौजूद गंदगी और डैंड्रफ दूर करने में मदद करते हैं। इससे आपके बाल टूटने और झड़ने भी बदं होंगे।

कैसे करें इस्तेमाल?

. जैतून के तेल में 1–2 चम्मच कलौंजी डालकर उबालें।

. फिर इस तेल को अच्छे से ठंडा करें और बालों व स्कैल्प पर लगाएं।

. करीबन 30 मिनट बाद बालों को शैंपू के साथ धो लें।

नारियल तेल में एलोवेरा

यदि आप बाल लंबे करना चाहते हैं तो नारियल के तेल में एलोवेरा जेल मिला सकते हैं। यह मिश्रण आपके बालों को पोषण देने में मदद करेगा। इससे आपके बालों को विकास भी अच्छे से होगा। एलोवेरा में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट् और एंटीबैक्टीरियल गुण स्कैल्प से डेड स्किन निकालने में मदद करते हैं। इससे डैंड्रफ और झड़ते बालों की समस्या दूर होगी।

कैसे करें इस्तेमाल?

. सबसे पहले आप एक कप नारियल तेल में एलोवेरा जेल मिलाएं।

. दोनों चीजों को अच्छे से मिक्स करके बालों में लगाते हुए हाथों से मालिश करें।

. 1–2 घंटे के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें।

. इससे आपके बाल लंबे, मुलायम और चमकदार बनेंगे।

सरसों के तेल में मेथी

सरसों का तेल बाल लंबे और घने करने में मदद करता है। इसमें विटामिन–ई, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल, एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। वहीं मेथी दाना विटामिन्स , मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स गुण पाए जाते हैं। नियमित इस मिश्रण को बालों में लगाने से बालों का विकास होगा और बालों की ग्रोथ भी अच्छे से होगी। हेयरफॉल के लिए भी यह बहुत ही फायदेमंद माना जाता है।

कैसे करें इस्तेमाल?

. एक चम्मच मेथी दाना रातभर के लिए पानी में भिगोकर रखें।

. अगले दिन इसे पीसकर पेस्ट तैयार कर लें।

. पेस्ट में सरसों का तेल और दही मिलाएं।

. दोनों चीजों को मिक्स करके बालों में लगाएं।

. 1 घंटे के बाद माइल्ड शैंपू से धो लें।

नारियल तेल में करी पत्ता

नारियल तेल में करी पत्ता मिलाकर भी आप बालों की ग्रोथ तेजी से कर सकते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

. नारियल तेल गर्म करें और फिर इसमें 6–7 करी पत्ते डालकर उबाल लें।

. ठंडा होने पर मिश्रण को बालों और स्कैल्प पर लगाएं।

. हल्के हाथों से बालों की मसाज करें।

. हफ्ते में 1–2 बार आप इस तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

इससे सफेद बाल डैंड्रफ की समस्या भी दूर होगी।

पाचन तंत्र से लेकर हड्डियां तक को मजबूत बनाती है छाछ, जानिए इसे पीने के बेशुमार फायदे

सर्दियों ने अलविदा कह दिया है और गर्मी का मौसम धीरे–धीरे दस्तक दे रहा है। ऐसे में हमें खाने से ज्यादा कुछ ठंडा और हेल्दी पीने की तलब लगती है। इसपर अगर एक गिलास ठंडी– ठंडी छाछ मिल जाए तो मानों आपका दिन बन जाता है। इतना ही नहीं गर्मियां को मौसम में यह हमारे पेट के लिए भी एक बेहतरीन इलाज है। लंच या डिनर के बाद इसे पीने से न केवल पाचन में सुधार होता है बल्कि एसिडिटी से भी बचाव होता है। यह अद्भुत पेय क्रीम से मक्खन बनाने की प्रक्रिया के दौरान प्राप्त होता है, जो प्रोबायोटिक गुणों से भरपूर होता है और गर्मियों में तापमान बढ़ने पर आपके आंत के स्वास्थ्य का पूरी तरह से ध्यान रखता है.....

पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है

शरीर के पाचन को बेहतर बनाने में छाछ बहुत फायदेमंद है। यह अपच की समस्या को हल करने में मदद करता है, क्योंकि बेहतर यह प्रोबायोटिक्स में समृद्धि है जो शरीर में आंत के विकास को बढ़ावा देता है। यह इस प्रकार शरीर की प्रतिरक्षा को भी बढ़ावा देने में मदद करता है।

एसिडिटी में राहत देता है

ज्यादातर लोगों में एसिडिटी सबसे आम स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। एसिडिटी से सेहत खराब हो जाती हैं। भोजन के बाद छाछ का सेवन एसिडिटी से तुरंत राहत प्रदान करने में मदद करेगा। इससे पेट की जलन से भी राहत मिलती है।

कैंसर और हाई कोलेस्ट्रॉल के जोखिम को कम करता है

छाछ में बायोएक्टिव प्रोटीन होता है जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नीचे लाने में मदद करता है। यह हृदय से जुड़ी कई बीमारियों से बचाता है और शरीर में रक्त के प्रवाह को नियंत्रित करता है। यह कैंसर के खतरे को भी कम करता है क्योंकि यह प्रकृति में एंटीबैक्टेरियल, एंटीकार्सिनोजेनिक है।

वजन घटाने में सहायक

नियमित छाछ का सेवन करने से वजन घटाने में मदद मिलती है। छाछ में कैलोरी और फैट की मात्रा बहुत कम होती है। यह एक तरह से फैट बर्नर का काम करता है।

हड्डियों की मजबूती

भरपूर मात्रा में कैल्शियम होने के कारण छाछ हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करती है। इसका नियमित सेवन ऑस्टियोपोरोसिस नाम की बीमारी से बचाता है।

पूरी करता है पानी की कमी

गर्मी के मौसम में पसीना बहुत निकलता है और ऐसे में डिहाइड्रेशन की शिकायत भी हो सकती है। इससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। लेकिन छाछ का सेवन इस कमी को दूर करता है।

संक्षिप्त

एपल का भारत में बड़ा ग्रीन निवेश, रिन्यूएबल एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए लगाएगी 100 करोड़ रुपये

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिकी टेक दिग्गज और आईफोन निर्माता कंपनी एपल ने भारत के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक अहम रणनीतिक कदम उठाया है। अपने व्यापक स्थिरता और कार्बन तटस्थता लक्ष्यों को तेजी से पूरा करने के लिए, कंपनी ने भारत में नवीकरणीय ऊर्जा बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की आधिकारिक घोषणा की है। यह निवेश भारत में पर्यावरण संरक्षण और ग्रीन सप्लाई चेन को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है। एपल ने यह महत्वपूर्ण निवेश भारत की प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा डेवलपर कंपनियों में से एक क्लीनमैक्स के साथ मिलकर करने का फैसला किया है। इस साझेदारी के तहत देशभर में 150 मेगावाट से अधिक की नई नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का निर्माण किया जाएगा। इस नई ऊर्जा क्षमता के प्रभाव का आकलन करते हुए एपल ने बताया कि यह उत्पादित ऊर्जा सालाना लगभग 1.5 लाख भारतीय घरों को बिजली देने के लिए पर्याप्त होगी। कंपनी का विजन यहीं तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले वर्षों में इस क्षमता को और अधिक बढ़ाने की भी योजना है। 2030 कार्बन न्यूट्रल लक्ष्यरू इस पहल का प्राथमिक उद्देश्य भारत में एपल के आपूर्ति शृंखला संचालन में नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना है। इसके जरिए कंपनी साल 2030 तक अपने पूरे वैश्विक पदचिह्न को 100 फीसदी कार्बन न्यूट्रल बनाने के लक्ष्य की ओर मजबूती से आगे बढ़ रही है। पहले भी हुई थी साझेदारीरू यह पहली बार नहीं है जब एपल ने ग्रीन एनर्जी के लिए कदम उठाया है। इससे पहले भी, अमेरिका स्थित इस कंपनी ने भारत में अपने कार्यालयों और रिटेल स्टोर्स को 100 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा से संचालित करने के लिए श्रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट्सश पर क्लीनमैक्स के साथ साझेदारी की थी। इस निवेश पर प्रतिक्रिया देते हुए, एपल की पर्यावरण और आपूर्ति शृंखला नवाचार उपाध्यक्ष, सारा चांडलर ने कहा, ष्एपल में पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता न केवल हमारी जिम्मेदारी है, बल्कि यह पूरी कंपनी और दुनिया भर में नवाचार के लिए एक प्रेरक शक्ति भी है। उन्होंने जोर देकर कहा, ष्हम भारत की स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था में निवेश करने और देश के बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के अपने प्रयासों का विस्तार करने पर गर्व महसूस कर रहे हैं। ऊर्जा बुनियादी ढांचे में सीधे निवेश के अलावा, एपल ने भारत में प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने और हरित उद्यमिता को बढ़ावा देने पर केंद्रित नई साझेदारियों का भी ऐलान किया है। WWF–इंडिया के साथ करारू एपल ने पारिस्थितिक तंत्र में प्लास्टिक के रिसाव को रोकने और सामग्री पुनर्प्राप्ति में सुधार के लिए WWF–इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। इस साझेदारी के तहत रिसाइकलिंग और अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में काम किया जाएगा। एक्यूमेन को समर्थन– शुरुआती दौर के ग्रीन एंटरप्राइजेज को आगे बढ़ाने के लिए एपल ने एक्यूमेन के साथ भी साझेदारी की है। इसके जरिए अपशिष्ट प्रबंधन, पुनर्योजी कृषि और सर्कुलर इकॉनमी सॉल्यूशंस जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले छोटे और नए उद्यमियों को अनुदान और मेंटरशिप सपोर्ट प्रदान किया जाएगा। एपल द्वारा किया गया यह 100 करोड़ रुपये का निवेश और कई रणनीतिक साझेदारियां इस बात का प्रमाण हैं कि ग्लोबल कंपनियां अब भारत को न केवल एक बड़े बाजार के रूप में देख रही हैं।

शेयर बाजार में सपाट शुरुआत

नई दिल्ली,एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार की सुबह सपाट शुरुआत हुई। कारोबार शुरू होने के दौरान सेंसेक्स में 100 अंक से अधिक की बढ़त दिखी और निफ्टी 24,350 के पार चला गया। हालांकि उसके बाद बिकवाली के दबाव से बाजार में नरमी नजर आने लगी। देखते ही देखते सेंसेक्स 160.24 अंक गिरकर 77,798.28 पर आ गयाय निफ्टी 30.25 अंक गिरकर 24,300.70 पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में ट्रेंट और एसबीआई के शेयर शीर्ष लाभ में रहे। गुरुवार को कारोबार शुरू होने के बाद रुपया डॉलर के मुकाबले 28 पैसे गिरकर 94.77 पर आ गया, क्योंकि बाजार की भावना में नाटकीय बदलाव आया जब ऐसी खबरें सामने आईं कि अमेरिका और ईरान तनाव कम करने और बातचीत फिर से शुरू करने के उद्देश्य से 14 सूत्री समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर चर्चा कर रहे हैं। वैश्विक स्तर पर बढ़ रहे भू–राजनीतिक तनाव और घरेलू बाजार से विदेशी फंडों की लगातार हो रही निकासी ने एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट और भारी उतार–चढ़ाव देखने को मिला। निवेशकों ने पश्चिम एशिया के संकट को देखते हुए बाजार में बेहद सतर्क रुख अपनाया है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने बताया कि पश्चिम एशिया में राजनीतिक अस्थिरता का खेल चल रहा है, जिसके जवाब में कच्चे तेल की कीमतों में भी भारी उतार–चढ़ाव देखा जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया, बाजार इस वक्त उम्मीद और डर के बीच झूल रहा है और यह स्थिति तब तक जारी रह सकती है जब तक इस भू–राजनीतिक संकट का कोई निश्चित समाधान नहीं निकल जाता। ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ–टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने बाजार की चाल पर टिप्पणी करते हुए कहा कि नरम ऊर्जा की कीमतें और सकारात्मक वैश्विक संकेत शॉर्ट–टर्म मैक्रो दबावों को कम करने में मदद कर रहे हैं, जिससे एक रचनात्मक माहौल बन रहा है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि भावनाएं अधिक आशावादी होने के बावजूद, निवेशक सतर्क हैं ।

आईपीएल प्लेऑफ नहीं खेलेंगे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी? इस महीने के अंत में पाकिस्तान का करना है दौरा, शेड्यूल जारी

नई दिल्ली,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम 23 मई को तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए पाकिस्तान पहुंचेगी। आईपीएल टूर्नामेंट के बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। पीसीबी के मुताबिक ऑस्ट्रेलियाई टीम 23 मई को इस्लामाबाद पहुंचेगी। उस वक्त आईपीएल लीग स्टेज अपने अंजाम पर होगा, जबकि प्लेऑफ स्टेज चालू होने वाला होगा। ऐसे में सवाल यह उठ रहे हैं कि क्या ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल से दूर हो जाएंगे? आईपीएल का आखिरी लीग मैच 24 मई को खेला जाएगा। इसके बाद 26 मई से प्लेऑफ स्टेज की शुरुआत होगी। वहीं, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 30 मई को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। दो और चार जून को दूसरा और तीसरा मुकाबला लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा। तीनों मैच स्थानीय समय के अनुसार शाम साढ़े चार बजे शुरू होंगे। टॉस शाम चार बजे होगा। यानी पाकिस्तान–ऑस्ट्रेलिया सीरीज आईपीएल 2026 के प्लेऑफ शेड्यूल से टकराएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के क्रिकबज को बताया है कि वह अपने खिलाड़ियों को पाकिस्तान में होने वाली वनडे सीरीज के कारण आईपीएल बीच में छोड़ने के लिए मजबूर नहीं करेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल में बने रहेंगे और अपनी सभी प्रतिबद्धताएं पूरी करेंगे। फिलहाल करीब एक दर्जन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल में खेल रहे हैं। इनमें ऑस्ट्रेलिया के नियमित वनडे कप्तान पैट कमिंस और मिचेल मार्श शामिल हैं। भारत में मौजूद अन्य ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में ट्रेविस हेड, टिम डेविड, जोश हेजलवुड, जेवियर बार्टलेट,

कूपर कोनोली, मार्कस स्टोइनिस, जोश इंग्लिस, कैमरून ग्रीन, मिचेल स्टार्क और मैथ्यू शॉर्ट जैसे बड़े नाम शामिल हैं। क्रिकबज ने प्लेऑफ में पहुंचने के लिए पसंदीदा मानी जा रही सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स की टीमों से भी संपर्क किया। दोनों फ्रेंचाइजियों के अधिकारियों ने पुष्टि की कि उनके सभी खिलाड़ी, जिनमें ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भी शामिल हैं, अपने अनुबंध का पूरी तरह सम्मान करेंगे और सीजन के बीच में टीम नहीं छोड़ेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भी अभी तक पाकिस्तान दौरे के लिए टीम का चयन नहीं किया है। ऐसी भी संभावना है कि चयन इस तरह किया जाए कि खिलाड़ियों की आईपीएल प्रतिबद्धताओं से टकराव न हो। ऐसे में पाकिस्तानी जाने वाली टीम में कई बड़े ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शामिल नहीं होंगे। जिन खिलाड़ियों की फ्रेंचाइजी प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाती है, वे पहले वनडे से पूर्व टीम से जुड़ सकते हैं। लखनऊ सुपर जाएंट्स के मिचेल मार्श, जोश इंग्लिस और केकेआर के कैमरन ग्रीन टीम से जुड़ सकते हैं। लखनऊ और केकेआर के आईपीएल प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना न के बराबर है। पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क और ट्रेविस हेड जैसे खिलाड़ियों को अगस्त में बांग्लादेश में टेस्ट सीरीज पर ध्यान देने के लिए आराम दिया जा सकता है, जबकि कूपर कोनोली, जेवियर बार्टलेट, बेन ड्वारशुइस और मैथ्यू शॉर्ट को जून में बांग्लादेश में व्हाइट–बॉल सीरीज में खेलने के लिए कुछ ब्रेक दिया जा सकता है। एलेक्स कैरी, एडम जैम्पा और मार्नस लाबुशेन, जो हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में खेले थे, पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा हो सकते हैं। नाथन एलिस और मैथ्यू रेनशॉ भी ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह बना सकते हैं। मार्च–अप्रैल 2022 के बाद वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का यह पहला पाकिस्तान दौरा है। तीन वनडे मैचों की उस सीरीज में पाकिस्तान ने 2–1 से जीत हासिल की थी। ऑस्ट्रेलिया ने इस साल की शुरुआत में तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा किया था। पाकिस्तान ने टी20 सीरीज में 3–0 से ऑस्ट्रेलिया का सफाया किया था। ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच कुल 111 वनडे खेले गए हैं। ऑस्ट्रेलिया को 71 मैचों में जीत मिली है, जबकि पाकिस्तान ने 36 मैच जीते हैं। 1 मैच टाई रहा है, जबकि 3 मैचों का परिणाम नहीं आया है।

आईपीएल के बीच एक दुखद घटना! विराट कोहली के साथी खिलाड़ी का निधन, युवराज ने भी दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत की अंडर–19 टीम और पंजाब के पूर्व मध्यम तेज गेंदबाज अमनप्रीत सिंह गिल का बुधवार को चंडीगढ़ में 36 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। फिलहाल उनकी मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पंजाब के पूर्व क्रिकेटर अमनप्रीत सिंह गिल का 36 वर्ष की उम्र में चंडीगढ़ में निधन हो गया है। उनके निधन से घरेलू क्रिकेट जगत में दुख की लहर है। वह एक मिडियम पेसर थे। अमनप्रीत ने भारत के कई बड़े क्रिकेटरों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया था और उन्हें पंजाब क्रिकेट का समर्पित और विनम्र खिलाड़ी माना जाता था। अमनप्रीत सिंह ने 2007 में भारत की अंडर–19 टीम के लिए खेलते हुए विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया था। उन्होंने भारत के लिए पांच यूथ वनडे और एक यूथ टेस्ट मैच खेला। लंबे फॉर्मेट में उन्होंने श्रीलंका के पूर्व ऑलराउंडर थिसारा परेरा का विकेट भी लिया था। हालांकि, वह विराट कोहली की कप्तानी वाली उस भारतीय अंडर–19 टीम में जगह नहीं बना सके, जिसने 2008 में विश्व कप का खिताब जीता था। अमनप्रीत ने अपने करियर में पंजाब की ओर से छह फर्स्ट क्लास मैच खेले। वह आईपीएल के पहले संस्करण में किंग्स इलेवन पंजाब का भी हिस्सा रहे थे। खेल से संन्यास के बाद भी वे क्रिकेट से जुड़े रहे और पंजाब सीनियर चयन समिति के सदस्य के रूप में कार्य कर रहे थे। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन ने उनके निधन पर आधिकारिक बयान जारी कर शोक व्यक्त किया और पंजाब क्रिकेट में उनके लंबे योगदान को याद किया। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन ने कहा कि अमनप्रीत ने समर्पण और जुनून के साथ पंजाब क्रिकेट की सेवा की थी और उन्होंने भारत अंडर–19, पंजाब टीम और किंग्स इलेवन पंजाब का प्रतिनिधित्व किया था। संस्था ने उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में ईश्वर उन्हें शक्ति दे।

डेविड वार्नर के शराब पीकर गाड़ी चलाने का मामला, अदालत में अगली सुनवाई 24 जून को होगी

सिडनी,एजेंसी। गुरुवार को वेवर्ली स्थानीय अदालत में इस मामले की पहली सुनवाई हुई। हालांकि, वॉर्नर को खुद कोर्ट में पेश होने की जरूरत नहीं पड़ी। उनके वकील, बॉबी हिल, ने अदालत को बताया कि पुलिस को कुछ रिप्रेजेंटेशन दिए गए हैं और उन पर जवाब आने तक मामले को आगे बढ़ाने की मांग की गई है। कोर्ट ने अगली सुनवाई 24 जून तय की है। वॉर्नर के वकील ने कहा कि क्रिकेटर अपनी गलती मानते हैं और उन्हें इस फैसले पर पछतावा है। हिल के मुताबिक, वॉर्नर ने एक दोस्त के अपार्टमेंट में तीन ग्लास वाइन पी थी और उसके बाद उबर लेने की बजाय खुद कार चलाने का फैसला किया, जिसे उन्होंने लापरवाही और बेवकूफी भरा कदम बताया। हिल ने यह भी कहा कि शराब पीना कोई अपराध नहीं है, लेकिन शराब पीने के बाद गाड़ी चलाना गलत है। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा रोके जाने से करीब 11 मिनट पहले वार्नर ने आखिरी ड्रिंक ली थी। वकील ने आरोप लगाया कि दूसरा ब्रेथ टेस्ट कराने में पुलिस ने करीब 52 मिनट का समय लिया।

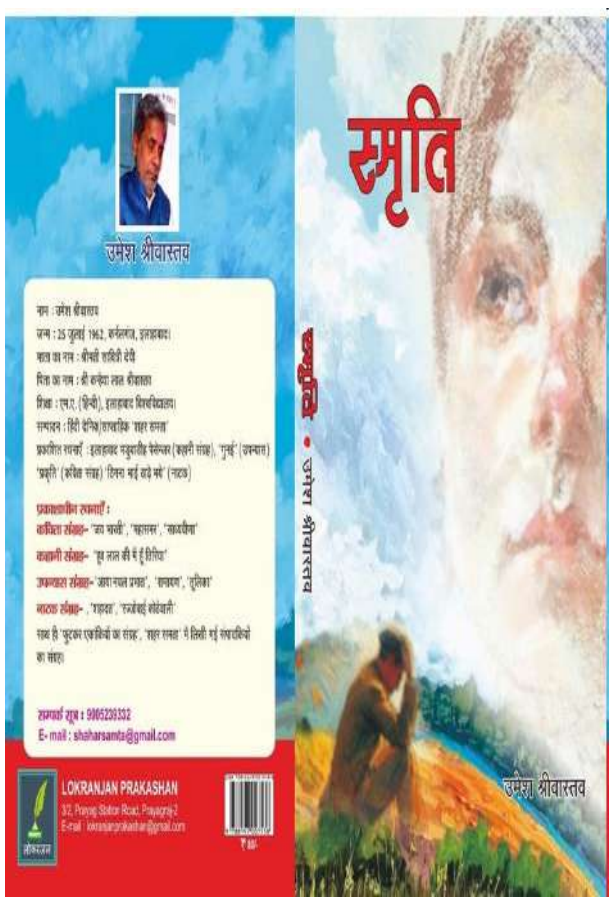

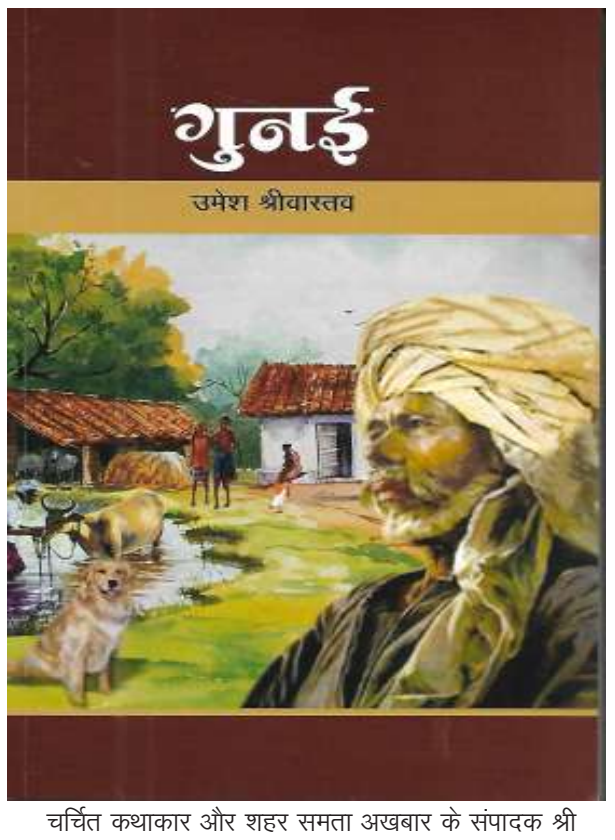

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

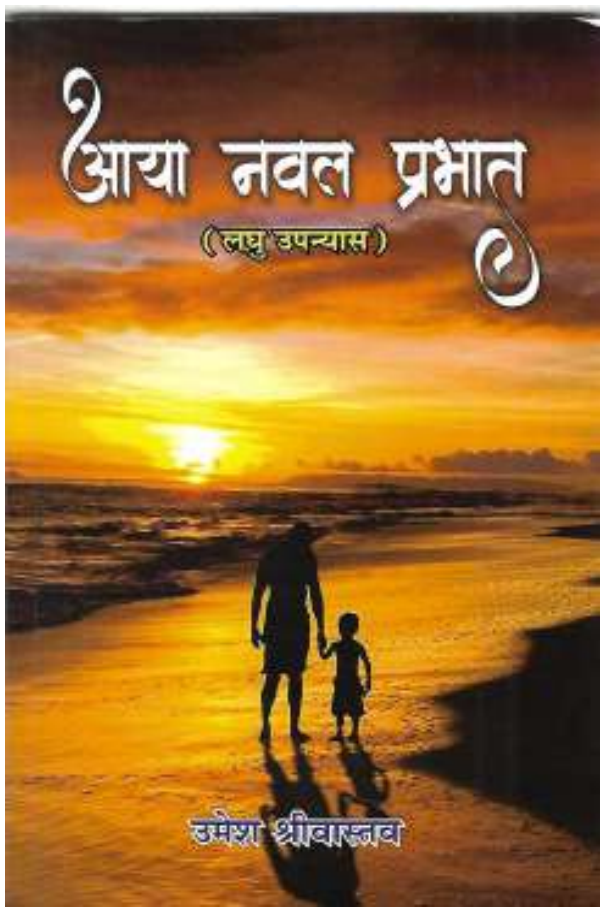

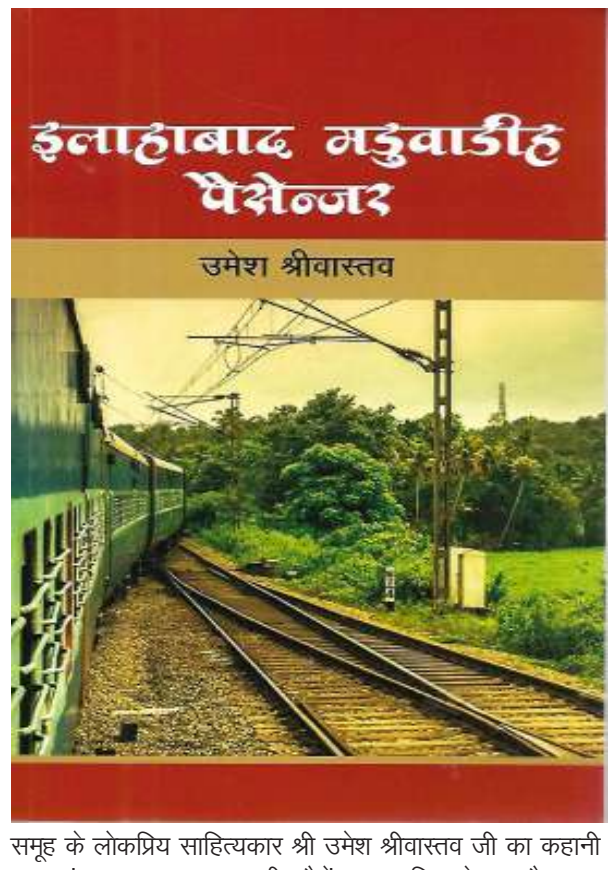

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

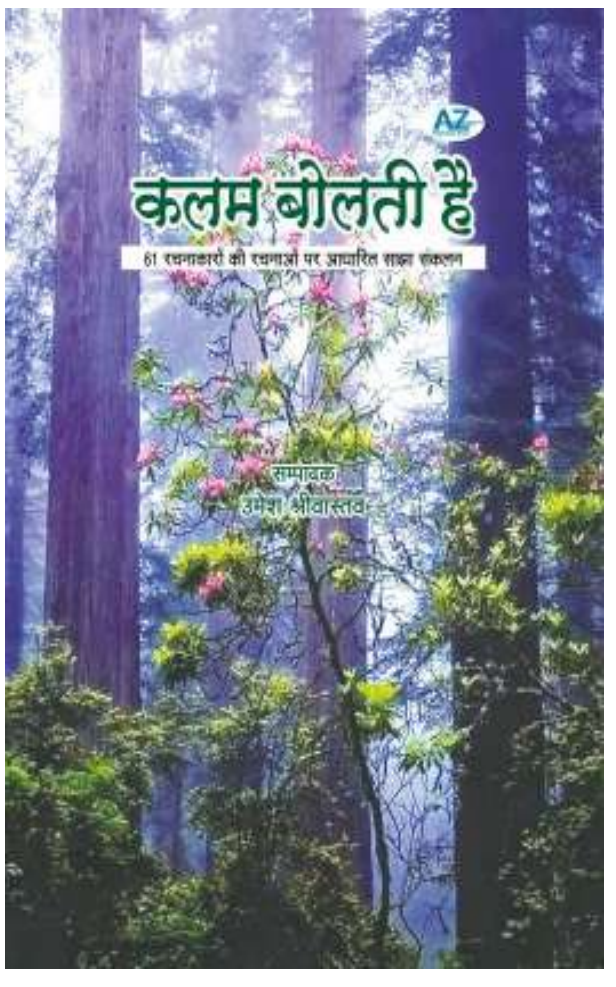

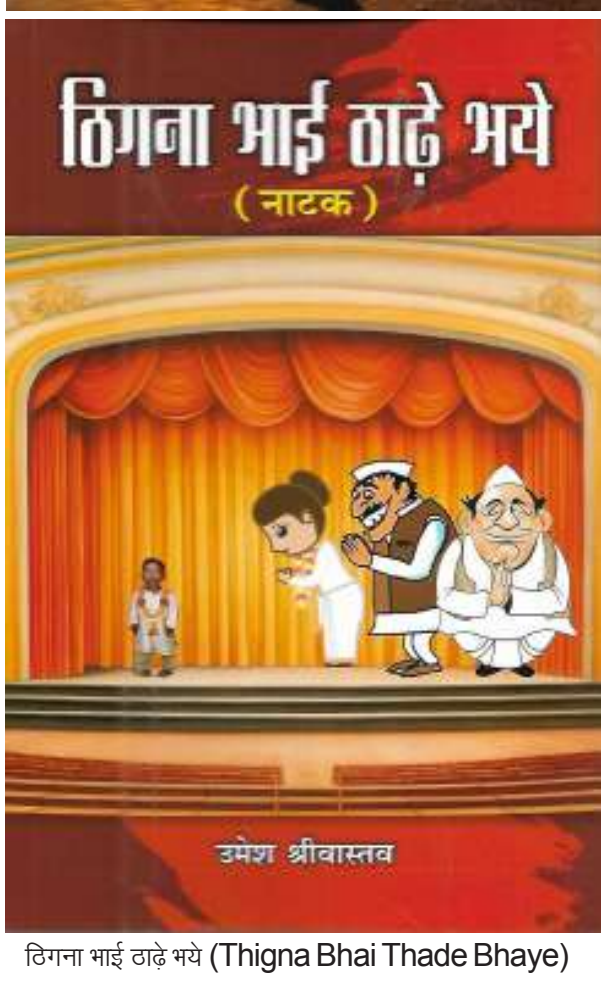

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

'ईरान पर हम हर स्थिति के लिए तैयार', इस्राइली पीएम नेतन्याहू बोले-ट्रंप से रोज हो रही बात

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उन खबरों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा जा रहा

था कि ईरान को लेकर अमेरिका की कूटनीतिक पहल से इस्राइल हैरान रह गया। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से लगभग रोजाना बातचीत हो रही है और दोनों देशों के बीच हर स्तर पर पूरा समन्वय बना हुआ है। अमेरिका के साथ लगातार संपर्क में हैं– नेतन्याहू

नेतन्याहू ने कहा कि हम अमेरिका में अपने सहयोगियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। मैं लगभग हर दिन राष्ट्रपति ट्रंप से बात करता हूं। हमारी और उनकी टीम भी रोज बातचीत करती है। उन्होंने बताया कि देर रात ट्रंप के साथ उनकी फिर बातचीत तय है। क्या है इस्राइल और अमेरिका का साझा लक्ष्य? इस्राइली प्रधानमंत्री ने कहा कि ईरान के मुद्दे पर उनका देश हर स्थिति के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि इस्राइल और अमेरिका का साझा लक्ष्य ईरान के संवर्धित परमाणु सामग्री कार्यक्रम को समाप्त करना है। इस्राइली अधिकारियों ने हाल के दिनों में ईरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई की संभावना का भी समर्थन किया है। उनका दावा है कि ईरान की परमाणु क्षमता और बैलिस्टिक मिसाइल भंडार अब भी गंभीर खतरा बने हुए हैं। ट्रंप ने ईरान को दिया नया अल्टीमेटम इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को नया अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर तेहरान युद्ध खत्म करने के लिए समझौता नहीं करता, तो उसे पहले से कहीं ज्यादा तीव्र बमबारी का सामना करना पड़ेगा। हालांकि ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में प्रगति हुई है और जल्द समझौता संभव हो सकता है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि वे समझौता करना चाहते हैं। पिछले 24 घंटों में हमारी बातचीत काफी सकारात्मक रही है और समझौते की संभावना मजबूत है। उन्होंने दोहराया कि ईरान को किसी भी हालत में परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिए जाएंगे। ट्रंप ने क्या किया दावा? ट्रंप ने दावा किया कि संघर्ष के दौरान ईरान की सैन्य क्षमता को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि ईरान की नौसेना, वायुसेना, रडार सिस्टम और मिसाइल भंडार का बड़ा हिस्सा नष्ट हो चुका है। ट्रंप ने यहां तक कहा कि ईरान के कई शीर्ष सैन्य नेता मारे जा चुके हैं और अमेरिका इस संघर्ष में जीत चुका है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी संकेत दिया कि कूटनीतिक समाधान अब भी संभव है। उनके मुताबिक, अगर अभी संघर्ष रुक जाता है, तो ईरान को अपनी सैन्य ताकत दोबारा खड़ी करने में दशकों लग सकते हैं।

ईरान युद्ध से जुड़ रहे ट्रंप के हमलावर के तार, एफबीआई खंगाल रही आरोपी का डिजिटल रिकॉर्ड

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्रालय ने गत माह व्हाइट हाउस में एक समारोह में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन के वरिष्ठ सदस्यों की हत्या का प्रयास करने वाले आरोपी का संभावित मकसद ईरान युद्ध के तौर पर पहचाना है। यह जानकारी देश भर में राज्य और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों तथा अन्य संघीय एजेंसियों को भेजी गई एक खुफिया रिपोर्ट में दी गई है। मंत्रालय के खुफिया कार्यालय द्वारा जारी इस प्रारंभिक रिपोर्ट में संदिग्ध कोल एलन के कई सामाजिक और राजनीतिक असंतोष का आकलन किया गया है। रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया है कि ईरान संघर्ष उसके हमले को अंजाम देने के फैसले में योगदान दे सकता है। खुफिया एजेंसियों ने एलन की एक पोस्ट का हवाला भी दिया गया है जिसमें युद्ध में अमेरिकी कार्रवाई की आलोचना की गई थी। इस आकलन से 25 अप्रैल को व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर पर नाकाम हमले के पीछे के मकसद में प्रारंभिक रोशनी दिखाई पड़ी है। अदालती दस्तावेजों में, अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि कोल एलन राजनीतिक रूप से ट्रंप से असहमत था और उन सरकारी नीतियों व निर्णयों के खिलाफ लड़ाई करना चाहता था जिन्हें वह नैतिक रूप से आपत्तिजनक मानता था। हमले के मकसद जानने के लिए एफबीआई उसकी सोशल मीडिया गतिविधियों और डिजिटल फुटप्रिंट की जांच कर रही है। जांच में एलन से जुड़े ब्लूस्काई सोशल मीडिया अकाउंट पर किए गए पोस्ट की समीक्षा शामिल है।

रूस-यूक्रेन में फिर बढ़ा तनाव, एकतरफा संघर्ष विराम के बीच रातभर हुए हमलों में कई मौतें

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन द्वारा घोषित एकतरफा संघर्ष विराम की अनदेखी करते हुए रातभर दर्जनों ड्रोन हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि यूक्रेन द्वारा आधी रात से लागू किए गए युद्धविराम के बावजूद हमले जारी रहे। वहीं, रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि यूक्रेन ने स्वयं अपने युद्धविराम का पालन नहीं किया। रूस की वायु रक्षा प्रणालियों ने मंगलवार शाम से बुधवार सुबह तक रूसी क्षेत्रों, क्रीमिया प्रायद्वीप और काला सागर के ऊपर 53 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। रूस द्वारा नियुक्त गवर्नर सर्गेई अक्स्योनोव ने कहा, क्रीमिया के झानकोय शहर पर यूक्रेन के ड्रोन हमले में पांच लोगों की मौत हो गई। उन्होंने आधी रात के बाद हताहतों की जानकारी दी, जबकि हमले के बारे में उन्होंने करीब 90 मिनट पहले पोस्ट किया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

बांग्लादेश की तीस्ता परियोजना में चीन की एंट्री, ढाका-बीजिंग की बढ़ती साझेदारी पर भारत की नजर

एजेंसी/बांग्लादेश की नई सरकार ने तीस्ता नदी परियोजना को लेकर चीन का समर्थन औपचारिक रूप से मांग लिया है। यह कदम भारत और बांग्लादेश के रिश्तों पर असर डाल सकता है। बुधवार को बीजिंग में बांग्लादेश के विदेश मंत्री खालिलुर रहमान और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई बैठक में तीस्ता रिवर कॉम्प्रिहेंसिव मैनेजमेंट एंड रिस्टोरेशन प्रोजेक्ट (जल्दन्ट) पर चर्चा हुई। इसकी जानकारी बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने दी। तीस्ता नदी क्यों है अहम? तीस्ता नदी पूर्वी हिमालय से निकलकर सिक्किम और पश्चिम बंगाल से गुजरते हुए बांग्लादेश में प्रवेश करती है। यह नदी बांग्लादेश में सिंचाई और लाखों

लोगों की आजीविका का प्रमुख स्रोत मानी जाती है। बैठक में वांग यी ने नई बांग्लादेश सरकार के प्रति चीन का समर्थन जताते हुए कहा कि चीन, बेल्ट एंड रोड सहयोग को बांग्लादेश की विकास रणनीतियों के साथ जोड़ने और आर्थिक, बुनियादी ढांचे व लोगों के बीच संपर्क जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि चीन बांग्लादेश में निवेश के लिए अपनी कंपनियों को भी प्रोत्साहित करेगा। चीन ने क्या दी सफाई? चीनी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि चीन का बांग्लादेश और दक्षिण एशिया के अन्य देशों के साथ संबंध किसी तीसरे पक्ष को निशाना बनाकर नहीं बनाए जा रहे हैं और न ही किसी तीसरे पक्ष के कारण प्रभावित होने चाहिए।

तारीक रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार के सत्ता में आने के बाद विदेश मंत्री खालिलुर रहमान की यह पहली चीन यात्रा है। वह 5 मई को चीन पहुंचे थे और गुरुवार को लौटने वाले हैं। इससे पहले पिछले महीने उन्होंने भारत का भी दौरा किया था। उनकी भारत यात्रा पर बीजिंग की करीबी नजर थी, क्योंकि शेख हसीना सरकार के पतन के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाले अंतरिम प्रशासन के दौरान बांग्लादेश के चीन और पाकिस्तान के करीब जाने से ढाका और नई दिल्ली के संबंधों में तनाव देखा गया था। चीन की तीस्ता परियोजना में रुचि लंबे समय से तीस्ता परियोजना में रुचि दिखाता रहा है। यह परियोजना भारत के संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास स्थित है, जो पूर्वोत्तर राज्यों को देश के मुख्य भूभाग से जोड़ता है। इसी पृष्ठभूमि में भारत ने 2024 में तीस्ता बेसिन के लिए तकनीकी और संरक्षण सहायता की पेशकश की थी, ताकि सीमा पार नदी प्रबंधन को लेकर ढाका के साथ सहयोग मजबूत किया जा सके। भारत-बांग्लादेश के बीच जल बंटवारे का मुद्दा भारत और बांग्लादेश के बीच जल बंटवारा हमेशा से अहम मुद्दा रहा है। 1996 में गंगा नदी के सूखे मौसम में जल बंटवारे को लेकर हुआ भारत-बांग्लादेश गंगा जल समझौता इस साल समाप्त होने वाला है, यदि इसका नवीनीकरण नहीं किया गया। इस बीच चीन ने हाल के वर्षों में बांग्लादेश में अपनी आर्थिक और कूटनीतिक मौजूदगी लगातार बढ़ाई है। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन जापान, विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक के बाद बांग्लादेश का चौथा सबसे बड़ा कर्जदाता है। 1975 से अब तक चीन बांग्लादेश को 7.5 अरब डॉलर का कर्ज दे चुका है। बैठक के दौरान दोनों देशों ने अपनी विकास रणनीतियों के बीच तालमेल बढ़ाकर चीन-बांग्लादेश व्यापक रणनीतिक सहयोग साझेदारी को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। बांग्लादेश ने वन चाइना नीति के प्रति अपना समर्थन दोहराते हुए कहा कि ताइवान चीन का अभिन्न हिस्सा है और वह किसी भी प्रकार की ताइवान स्वतंत्रता का विरोध करता है। वहीं चीन ने बांग्लादेश की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता के समर्थन की बात दोहराई।

अमेरिकी अदालत से भारतीय मूल के विशेषज्ञ एशले को बड़ी राहत, जासूसी कानून का मामला खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के विशेषज्ञ एशले जे. टेलिस के खिलाफ चल रहे जासूसी कानून से जुड़े मामले में अमेरिकी अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। वर्जीनिया की एक संघीय अदालत ने तकनीकी कानूनी आधार पर यह मामला खारिज कर दिया। अदालत आदेश में कहा गया कि याचिका स्वीकार कर ली गई और मामला बिना किसी पूर्वाग्रह के खारिज किया गया। अमेरिका के वर्जीनिया स्थित यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज माइकल एस. नाचमैनॉफ ने 16 अप्रैल को टेलिस की याचिका स्वीकार करते हुए केस को खारिज करने का आदेश दिया। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष ने गलत कानूनी प्रावधान के तहत आरोप लगाए थे। क्या है मामला? टेलिस अमेरिका की विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और इंडो-पैसिफिक मामलों के जाने-माने विशेषज्ञ माने जाते हैं। उन पर आरोप था कि उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गोपनीय दस्तावेज अपने निजी घर में रखे थे। अभियोजन पक्ष के मुताबिक टेलिस ने अमेरिकी विदेश विभाग और रक्षा तंत्र से जुड़े वरिष्ठ पदों पर काम करते हुए कई संवेदनशील दस्तावेज अपने पास रखे। सरकार की ओर से दायर आरोपपत्र में कहा

गया था कि टेलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी 11 गोपनीय फाइलें अपने निजी निवास पर हार्ड कॉपी और डिजिटल फॉर्म में रखीं। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी उच्चस्तरीय पहुंच का फायदा उठाकर सुरक्षित सरकारी कार्यस्थलों से राष्ट्रीय रक्षा से जुड़ी जानकारी बाहर निकाली और उसे निजी तौर पर संग्रहीत किया। टेलिस ने क्या दी दलील? हालांकि टेलिस की कानूनी टीम ने अदालत में दलील दी कि सरकार ने जासूसी अधिनियम की गलत धारा के तहत मामला दर्ज किया। उनके वकीलों का कहना था कि जिस धारा 793(म) के तहत उन पर आरोप लगाए गए, वह केवल उन लोगों पर लागू होता है, जिनके पास गोपनीय दस्तावेज अनधिकृत रूप से हों। जबकि सरकार खुद मान रही थी कि टेलिस के पास उच्च स्तरीय सुरक्षा मंजूरी थी और उन्हें इन दस्तावेजों तक अधिकृत पहुंच प्राप्त थी। बचाव पक्ष ने अदालत से कहा कि टेलिस को संबंधित दस्तावेज आधिकारिक रूप से सौंपे गए थे, इसलिए उन्हें अवैध कब्जा की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। वकीलों ने यह भी तर्क दिया कि सरकार ने उन पर गोपनीय जानकारी लीक करने या अपनी मंजूरी से बाहर जाकर दस्तावेज हासिल करने का आरोप भी नहीं लगाया। कानूनी टीम ने यह भी कहा कि अभियोजन पक्ष चाहे तो जासूसी कानून की दूसरी धारा 793(क) या धारा 1924 के तहत मामला दर्ज कर सकता था, जो सरकारी कर्मचारियों द्वारा गोपनीय दस्तावेज हटाने और रखने से संबंधित है। लेकिन सरकार ने जानबूझकर गलत प्रावधान चुना। इससे पहले संघीय अभियोजकों ने टेलिस की जमानत शर्तों में ढील देने का विरोध किया था। सरकार का कहना था कि टेलिस राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा और फरार होने का जोखिम बने हुए हैं। अभियोजन पक्ष ने दावा किया था कि उनके पास हजारों पन्नों के गोपनीय दस्तावेज थे, जिनमें 1,000 से ज्यादा पन्ने टॉप सिक्रेट श्रेणी के थे। सरकार ने यह भी आरोप लगाया था कि कुछ दस्तावेज चीन की परमाणु और सैन्य क्षमताओं से जुड़े थे। अभियोजकों का कहना था कि टेलिस के पास दशकों की संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा जानकारी मौजूद थी। मामला खारिज होने के बाद टेलिस ने अदालत में अपनी जमानत राशि वापस करने की मांग की, जिस पर सरकार ने कोई आपत्ति नहीं जताई। वहीं अदालत ने जांच के दौरान जब्त की गई संपत्ति वापस करने की उनकी मांग पर भी सरकार से जवाब मांगा है। इस मामले ने वॉशिंगटन के रणनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा हलकों में काफी ध्यान खींचा, क्योंकि टेलिस लंबे समय तक अमेरिकी सरकार को रक्षा और इंडो-पैसिफिक नीति पर सलाह देते रहे हैं। हाल के वर्षों में अमेरिका में गोपनीय दस्तावेजों के गलत तरीके से रखे जाने के मामलों पर सख्ती बढ़ी है। मौजूदा और पूर्व सरकारी अधिकारियों द्वारा संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा दस्तावेज संभालने को लेकर कई हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच चल रही है।

यौन शोषण-मानहानि मामला: लेखिका को फिलहाल हर्जाने की राशि लेने से रोकें, ट्रंप की सुप्रीम कोर्ट में अपील

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लेखिका ई जीन कैरोल को 8.3 करोड़ डॉलर देने के अदालत के आदेश पर रोक लगाने की मांग की है। ट्रंप के वकील ने न्यूयॉर्क की एक अपील कोर्ट में कहा कि सुप्रीम कोर्ट में अपील पूरी होने तक यह रकम न दिलाई जाए। यह मामला यौन शोषण और मानहानि से जुड़ा है। कैरोल ने आरोप

लगाया था कि 1996 में न्यूयॉर्क के एक स्टोर के कपड़े बदलने वाले कक्ष में ट्रंप ने उनका यौन शोषण किया था। लेखिका ने किताब में किया घटना का जिक्र कैरोल ने 2019 में एक किताब में इस घटना का जिक्र किया। इसके बाद ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से आरोपों को झूठा बताया। कैरोल ने कहा कि ट्रंप के बयानों से उनकी छवि खराब हुई। इसके बाद उन्होंने ट्रंप के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया। जूरी ने माना था ट्रंप ने किया यौन शोषण मई 2023 में एक जूरी ने माना कि ट्रंप ने कैरोल का यौन शोषण किया और बाद में उनकी मानहानि भी की। तब कोर्ट ने कैरोल को 50 लाख डॉलर देने का आदेश दिया था। इसके बाद जनवरी 2024 में एक दूसरी जूरी ने मानहानि मामले में कैरोल को 8.3 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त मुआवजा देने का फैसला सुनाया। आरोपों पर राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या कहा? ट्रंप ने सभी आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि वह कैरोल को जानते तक नहीं थे और यह मामला राजनीतिक कारणों से खड़ा किया गया है। अब ट्रंप के वकील जस्टिन डी स्मिथ ने कोर्ट से कहा है कि अगर अभी भुगतान कराया गया तो बाद में पैसे वापस लेना मुश्किल होगा। ट्रंप के वकील ने क्या दलील दी? वकील ने दलील दी कि कैरोल सार्वजनिक रूप से कह चुकी हैं कि वह यह रकम दान कर देंगी। ट्रंप की कानूनी टीम का यह भी कहना है कि राष्ट्रपति रहते हुए दिए गए बयानों को लेकर उन्हें कानूनी सुरक्षा मिलनी चाहिए। वहीं, कैरोल की ओर से कहा गया है कि अगर रोक लगानी है तो ट्रंप को जमानत राशि में 74 लाख डॉलर और जमा कराने होंगे, ताकि ब्याज की रकम सुरक्षित रहे।

ईरान पर US के दो सुर: ट्रंप-रुबियो के विरोधाभासी बयानों से ईरान युद्ध पर बढ़ी अनिश्चितता

एजेंसी/ईरान के खिलाफ अमेरिका और इस्राइल के सैन्य अभियान ऑपरेशन एपिक फ्यूरी को लेकर अमेरिकी प्रशासन के भीतर ही अलग-अलग संकेत सामने आने लगे हैं। एक तरफ विदेश मंत्री मार्को रुबियो का कहना है कि अभियान अपने लक्ष्य हासिल करने के बाद समाप्त हो चुका है और अब वॉशिंगटन वार्ता के जरिए समाधान चाहता है। दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि यदि ईरान प्रस्तावित समझौते पर सहमत

नहीं हुआ तो सैन्य हमले फिर शुरू हो सकते हैं और उनकी तीव्रता पहले से अधिक होगी। इसी बीच होर्मुज जलमार्ग में जहाजों की सुरक्षा के लिए शुरू किया गया अमेरिकी मिशन प्रोजेक्ट फ्रीडम भी फिलहाल रोक दिया गया है। इन घटनाक्रमों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पश्चिम एशिया में तनाव अभी समाप्त नहीं हुआ, बल्कि अब संघर्ष सैन्य मोर्चे से कूटनीतिक दबाव की दिशा में बढ़ता दिख रहा है। अल जजीरा व अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो ने व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत में कहा कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी का उद्देश्य पूरा हो चुका है और अमेरिका अब किसी नए सैन्य टकराव के बजाय समझौते का रास्ता तलाशना चाहता है। उन्होंने संकेत दिया कि पाकिस्तान की मध्यस्थता से ईरान और अमेरिका के बीच प्रत्यक्ष बातचीत आगे बढ़ाने की कोशिशें जारी हैं। पिछले महीने इस्लामाबाद में हुई प्रारंभिक वार्ता किसी नतीजे पर नहीं पहुंची थी, पर दोनों देशों ने बाद में नए प्रस्ताव एक-दूसरे को भेजे हैं। रुबियो के अपेक्षाकृत नरम बयान के तुरंत बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा, ऑपरेशन तभी पूरी तरह समाप्त माना जाएगा जब ईरान तय शर्तों को स्वीकार करेगा। अगर वार्ता विफल हुई तो अमेरिका दोबारा सैन्य कार्रवाई कर सकता है। होर्मुज जलमार्ग क्यों बना सबसे बड़ा संकट

इस पूरे संघर्ष का सबसे संवेदनशील केंद्र होर्मुज जलमार्ग है। दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से गुजरता है। ईरान ने युद्ध शुरू होने के बाद यहां जहाजों को निशाना बनाने की चेतावनी दी थी। अमेरिका ने जवाब में प्रोजेक्ट फ्रीडम नाम का अभियान शुरू किया था ताकि फंसे हुए जहाजों को सुरक्षित निकाला जा सके। ट्रंप ने अब इसे अस्थायी रूप से रोकने की घोषणा की है, ताकि बातचीत शुरू हो सके। हालांकि अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर लगाया गया नौसैनिक दबाव और प्रतिबंध जारी रखने का फैसला किया है।

क्या यह युद्ध का अंत है या सिर्फ अस्थायी विराम...पश्चिम एशिया मामलों के विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा घटनाक्रम युद्ध के पूर्ण अंत की गारंटी नहीं देते, लेकिन यह संकेत जरूर देते हैं कि सभी पक्ष फिलहाल बड़े सैन्य टकराव से बचना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया की डीकिन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर शहराम अकबरजादेह के अनुसार, प्रोजेक्ट फ्रीडम को रोकना इस संघर्ष के धीरे-धीरे खत्म होने की शुरुआत हो सकता है क्योंकि ईरान भी लंबे युद्ध से बाहर आना चाहता है। हालांकि पहले भी कई बार बातचीत की संभावनाएं बनीं पर वे सफल नहीं हो सकीं। अमेरिकी सेना ने ईरानी तेल टैंकर को बनाया निशाना

अमेरिकी सेना ने बुधवार को ओमान की खाड़ी में ईरानी तेल टैंकर को निशाना बनाया। इसमें टैंकर के पतवार को क्षति पहुंची है। अमेरिका ने बताया कि ईरानी टैंकर ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहा था। चेतावनी देने के बाद भी जब ईरानी टैंकर ने नाकाबंदी का उल्लंघन करना जारी रखा तो उस पर हमला किया गया। इस घटना से दोनों देशों में तनाव बढ़ सकता है जो युद्ध समाप्त करने के लिए प्रारंभिक समझौते के करीब पहुंचते दिख रहे थे। इससे पहले ईरानी मीडिया ने ड्रोन के जरिए एक अमेरिकी युद्धपोत को निशाना बनाने का दावा किया था, जिसे अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने नकार दिया था।

पश्चिम एशिया में जंग खत्म करने की तैयारी?: आगे बढ़ी ईरान-अमेरिका वार्ता, युद्ध विराम पर जल्द बन सकती है सहमति

एजेंसी/पश्चिम एशिया में जारी तनाव और संकट को खत्म करने की दिशा में ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में बड़ी प्रगति होती दिखाई दे रही है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान गुरुवार को मध्यस्थ देशों के जरिए अमेरिका के उस प्रस्ताव पर अपना जवाब दे सकता है, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय संकट का समाधान निकालना और तनाव को पूरी तरह समाप्त करना है। सूत्रों के अनुसार, तेहरान अभी भी अमेरिका समर्थित प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है, लेकिन दोनों पक्ष संभावित समझौते के काफी करीब पहुंचते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच जारी बातचीत एक प्रारंभिक समझौते की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिससे मौजूदा संकट को रोका जा सके और व्यापक परमाणु वार्ता का रास्ता तैयार हो सके। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों और वार्ता से जुड़े सूत्रों ने इसे संघर्ष शुरू होने के बाद का सबसे बड़ा कूटनीतिक घटनाक्रम बताया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।